(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश

इमरान और बी प्राक के साथ...8

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सोमवार, 31 जनवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 42 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

कश्मीर में सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी, अलग–अलग मुठभेड़ों में पांच आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी के तहत, पुलवामा और बडगाम जिलों में दो अलग–अलग मुठभेड़ों में आतंकी संगठन जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के एक शीर्ष स्वयंभू कमांडर समेत पांच आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। जेईएम प्रमुख जाहिद वानी 2017 से सक्रिय था और कई हत्याओं और युवाओं को आतंकवादी संगठन में भर्ती करने में शामिल था। पुलवामा में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर, विजय कुमार और सेना के विक्टर फोर्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ (जीओसी) मेजर जनरल प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा के बारे में सूचना मिलने के बाद मुठभेड़ शनिवार को कश्मीर घाटी के पुलवामा और बडगाम जिलों में हुई। दक्षिण कश्मीर में पुलवामा के नाइरा इलाके में मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए, जबकि एक आतंकवादी मध्य कश्मीर में बडगाम जिले के चरार–ए–शरीफ इलाके में मारा गया। कुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''जाहिद वानी जैश का टॉप कमांडर था। उसका भाई बान प्लाजा हमले (जम्मू में) में शामिल था और जेल में है। वानी 2017 से सक्रिय था और कई हत्याओं, युवाओं की भर्ती करने में शामिल था। समीर डार की हत्या के बाद वह जैश–ए–मोहम्मद का जिला कमांडर बना। दरअसल, वह पूरी घाटी का जैश प्रमुख था। यह एक अच्छा अभियान था और मैं सुरक्षा बलों को बधाई देना चाहता हूं।'' आईजीपी ने कहा कि इस महीने अब तक 11 मुठभेड़ हुई है, जिसमें आठ पाकिस्तानी समेत 21 आतंकवादी मारे गए हैं। सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए सुरक्षा बलों की पूरी टीम की सराहना करते हुए जीओसी श्रीवास्तव ने कहा कि पुलवामा ऑपरेशन एक अलग ऑपरेशन नहीं था, बल्कि खुफिया–आधारित ऑपरेशनों की श्रृंखला का एक हिस्सा था, जो पिछले कुछ महीनों में सेना की 15 कोर के अधिकार क्षेत्र में अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि वानी 2017 के बाद से हुए विभिन्न आईईडी हमलों के मास्टरमाइंड में से

ने कहा, ''इस सफलता के साथ, हमने इस क्षेत्र में जेईएम के खतरे को निष्प्रभावी करने के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वानी को ढेर करने के साथ हमने 2017 के बाद के वर्षों में हुए विभिन्न आईईडी हमलों के मास्टरमाइंड में से एक को समाप्त कर दिया।'' आईजीपी ने कहा कि पुलवामा के नाइरा में जिस घर में मुठभेड़ हुई, उसके मालिक के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। कुमार ने कहा, ''यह (मकान मालिक का बेटा) एक 'हाइब्रिड' आतंकवादी का सबसे अच्छा उदाहरण है। ऐसे कई लोग हैं जो आतंकवादी के उनमें शामिल हैं। इनायत (अहमद) को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया था, लेकिन वह आतंकवादियों के साथ सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करता रहा और मारा गया।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों का ध्यान पाकिस्तानी और 'हाइब्रिड' आतंकवादियों को ढेर करने पर है। कुमार ने कहा, ''पिछले दो महीनों में, प्रत्येक मुठभेड़ में एक या दो विदेशी आतंकवादी मारे गए हैं। यह हमारे लिए अच्छी बात है। विदेशी आतंकी सर्दियों में ऊंचे इलाकों से गांवों में आते हैं। ग्रामीण हमें सूचित करते हैं, हम अभियान शुरू करते हैं और विदेशी आतंकी मारा जाता है।'' उन्होंने कहा, ''यह एक तथ्य है कि इस बार विदेशी और स्थानीय आतंकियों की संख्या बराबर है। हम उन्हें ढेर कर देंगे। हम पूरी तरह से इस पर ध्यान केंद्रित करेंगे क्योंकि पाकिस्तानी आतंकवादी और 'हाइब्रिड' आतंकवादी हमारे लिए एक चुनौती हैं, हम दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उन्हें ढेर करते रहेंगे।'' घाटी के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह पहली बार है कि आतंकवादियों की संख्या 200 से नीचे आई है। उन्होंने कहा, ''इस साल इसे 100 से नीचे लाने की पूरी कोशिश है।'' कुमार ने कहा कि आतंकवादी विभिन्न तरीकों से हथियार और गोला–बारूद प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''आपने देखा कि जम्मू क्षेत्र में 35 ड्रोन जब्त किए गए। कई हथियार ड्रोन से, सड़क मार्ग से, घुसपैठ के जरिए पहुंचाए गए। बहुत सारे तरीके हैं। लेकिन, हम अपने नेटवर्क को मानव खुफिया और तकनीकी खुफिया जानकारी से मजबूत बना रहे हैं और हम इस खतरे को बेअसर कर देंगे।'' विभिन्न असॉल्ट राइफलों का प्रदर्शन करने वाले आतंकवादियों के वीडियो के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि हर साल जनवरी–फरवरी में ''आतंकवादी भर्ती बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रचार वीडियो जारी करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे कुछ हथियार दिखाते हैं, जो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन फिर भी अगर ऐसा कोई हथियार यहां आता है तो हमारे सुरक्षा बल उस खतरे को बेअसर करने में काफी सक्षम हैं। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

पश्चिमी यूपी में गरजे योगी, कैराना–मुजफ्फरनगर में दिख रही गर्मी शांत हो जाएगी, मैं मई और जून में भी शिमला बना देता हूं

उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर प्रचार अपने चरम पर है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक रखी है। इन सब के बीच आज योगी आदित्यनाथ हापुड़ दौरे पर थे। हापुड़ में उन्होंने कैराना और मुजफ्फरनगर को लेकर बड़ा बयान दिया है। हापुड़ के पिलखुवा में आयोजित मतदाता सम्मेलन में योगी आदित्यनाथ ने इशारों–इशारों में विपक्षियों पर जोरदार हमला किया। उन्होंने कहा कि यह गर्मी जो अभी कैराना और मुजफ्फरनगर में कुछ जगह दिखाई दे रही है ना, यह सब

शांत हो जाएगी क्योंकि गर्मी कैसे शांत होगी... मैं मई और जून में भी इसको शिमला बना देता हूं। उन्होंने कहा कि ये जो अभी अपने बिलों से निकलकर बिलबिला रहे हैं न, 10 मार्च के बाद गले में तख्ती डालकर चलते नजर आएंगे। जाहिर सी बात है कि योगी आदित्यनाथ के राजनीतिक कड़ाके की ठंड में भी गर्म हो सकती है। योगी आदित्यनाथ ने पश्चिमी यूपी में वोटों को साधते हुए विपक्ष पर बड़ा हमला किया है। अपने संबोधन में योगी ने काह कि आज फिर से दो लड़कों की जोड़ी दंगा कराने की मंशा से आई है। लोक कल्याण, गरीब कल्याण से इनका कोई लेना–देना नहीं है। विकास, सुशासन का कोई विकल्प नहीं हो सकता है। सरकार के पास हर समस्या का समाधान होना चाहिए। इस बयान से उत्तर प्रदेश की सपा–बसपा की सरकार सिर्फ अंधेरा देती थी। इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सपा की 'लाल टोपी' मुजफ्फरनगर दंगों के पीड़ितों और अयोध्या में मारे गए राम भक्तों के खून से सनी हुई है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की लाल टोपी मुजफ्फरनगर दंगों के पीड़ितों और अयोध्या में राम भक्तों के खून से रंगी हुई है। उनकी सरकार ने आम आदमी की रक्षा और सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए काम किया, साथ ही यह सुनिश्चित करने का भी प्रयास किया कि ''अपराधी डर महसूस करें।

अमित शाह ने राहुल गांधी को बताया मोदी-फोबिया से पीड़ित, कहा- विकास तभी हो सकता है, जब स्थिरता होगी

गोवा विधानसभा चुनाव के लिए भी प्रचार जारी है। 14 फरवरी को गोवा में मतदान होने है। आज भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह गोवा पहुंचे थे जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना भी साधा। अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी फोबिया से पीड़ित बताया। अमित शाह ने कहा कि गोवा के लोगों को भाजपा के 'गोल्डन गोवा' और कांग्रेस के 'गांधी परिवार का गोवा' में से किसी एक को चुनना होगा। उन्होंने कहा

कि छोटे राज्यों का विकास नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है। शाह ने काह कि भाजपा ने गोवा में संतुलित तरीके से विकास किया है। इंडस्ट्री आई हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है, व्यक्ति के विकास की योजनाएं आगे बढ़ी हैं, गरीब कल्याण का भी काम हुआ है। उन्होंने कहा कि छोटे राज्यों का विकास नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक जिम्मेदार राजनीतिक पार्टी है और हम देश को विकास के साथ आगे ले जाते हैं। पिछले 7 सालों में पीएम मोदी ने इसे आगे बढ़ाया है। हमारी अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, अब हम 5वें स्थान पर हैं। यह काम पीएम मोदी ने किया है। हम हमेशा वादे करते हैं जिन्हें हम पूरा करते हैं। शाह ने कहा कि बीजेपी गोवा में विकास लाई है। गांधी परिवार के लिए गोवा सिर्फ एक वेकेशन स्पॉट है। हमने राज्य का बजट 432 करोड़ (2013–14) से बढ़ाकर 2,567 करोड़ (वर्ष 2021) कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत ने बुनियादी ढांचे के विकास पर कुछ नहीं किया। हमने वो किया जो हमने वादा किया था। उन्होंने कहा कि गोवा में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले अन्य राज्यों के राजनीतिक दल यहां सरकार नहीं बना सकते, केवल भाजपा ही यह कर सकती है।

मौलाना तौकीर रजा की बहू निदा खान भाजपा में शामिल, सपा–बसपा के कई नेताओं ने भी बदला पाला

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलबदल का सिलसिला भी लगातार जारी है। इन सबके बीच आज बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। जानकारी के मुताबिक 21 ऐसे लोग हैं जिन्होंने आज भाजपा का दामन थामा है। इनमें ऐसे कई नेता भी हैं जो अपनी पार्टियों के लिए वर्षों से जमीन पर काम करते रहे हैं। लेकिन आज खास बात यह भी है कि मौलाना तौकीर रजा खां की बहू निदा खान ने भी भाजपा की सदस्यता ले ली है। निदा खान ने दावा किया कि वह पार्टी के कार्यों से प्रभावित होकर इसमें शामिल हो रही हैं। बरेली की तीन तलाक पीड़िता निदा खान ने कहा कि मैं भाजपा में इसलिए शामिल हुई हूं क्योंकि यह तीन तलाक कानून लेकर आई और सभी धर्मों की महिलाओं के सशक्तिकरण का भी काम किया। उन्होंने कहा कि मेरे साथ अन्याय होते आए हैं। मुझे अब किसी पर भरोसा नहीं है। इसलिए मैं भाजपा में शामिल हो रही हूं।

MLC सीट नहीं मिलने से नाराज हुए मुकेश सहनी, कहा: भाजपा–जदयू की हिटलरशाही नहीं चलेगी

विधान परिषद चुनाव को लेकर बिहार की राजनीति दिलचस्प मोड़ पर खड़ी हुई है। बिहार विधान परिषद की 24 सीटों पर चुनाव होने हैं। इन 24 सीटों को लेकर एनडीए में घमासान छिड़ गया है। बिहार में एनडीए के दो प्रमुख दल यानी कि जदयू और भाजपा के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा जहां 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है तो वहीं जदयू 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। लेकिन एनडीए के और सहयोगी जीतन राम मांझी और मुकेश सहनी की पार्टी को फिलहाल विधान परिषद की कोई सीट नहीं दी गई है। अब इसी को लेकर विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी भड़क गए हैं। मुकेश सहनी जबरदस्त तरीके से भाजपा और जदयू पर हमला कर रहे हैं। मुकेश सहनी ने कहा कि बिहार में सरकार

मांझी और रहने की वजह से ही खड़ी है। जदयू और भाजपा को लगता है कि वह बहुत शक्तिशाली हैं और उन्होंने सही फैसला लिया है। यह हिटलरशाही जैसा है। इसके साथ ही मुकेश सहनी ने दावा किया कि हम अपने दम पर सभी 24 सीटों पर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की सरकार अब केवल भाजपा और जदयू की ही सरकार बन कर रह गई है। मुकेश सहनी लगातार निषाद आरक्षण की मांग करते रहते हैं। भाजपा का बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि कुछ लोग निषाद समाज के वोट बैंक को अपनी जागीर समझ रहे हैं। यह उनका बड़ा भ्रम है।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र यादव ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा 13 सीटों पर और नीतीश कुमार की पार्टी 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा को आवंटित 13 सीटों में से एक सीट उसकी सहयोगी पशुपति कुमार पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) को दी जाएगी। भाजपा रोहतास, औरंगाबाद, सारण, सीवान, दरभंगा, किशनगंज, कटिहार, सहरसा, गोपालगंज, बेगूसराय, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि रालोजपा वैशाली से चुनाव लड़ेगी। जद (यू) पटना, भोजपुर, गया, नालंदा, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, सीतामढ़ी, भागलपुर, मुंगेर, नवादा और मधुबनी से अपने उम्मीदवार उतारेगी।

कनाडा में कोरोना वैक्सीन को लेकर मचा बवाल, पीएम के खिलाफ लोगों का भड़का गुस्सा, गुप्त स्थान पर छिपे जस्टिन ट्रूडो

एक ओर जहां पूरी दुनिया कोरोनावायरस की चपेट में है तो वही कनाडा में भी इसका कहर देखने को मिल रहा है। इन सबके बीच कनाडा में कोरोना गाइडलाइन को सख्त कर दिया गया है। हालांकि कोरोना गाइडलाइन के सख्त किए जाने के बाद लोगों में गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि राजधानी ओटावा में हजारों लोगों ने टीकाकरण को अनिवार्य बनाने और कोविड–19 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भी निशाना बनाया है और उनकी तीखी आलोचना की है। इन सबके बीच खबर यह है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो परिवार के साथ कहीं गुप्त स्थान पर चले गए हैं। प्रदर्शन को

देखते हुए जस्टिन ट्रूडो अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री कहां गए हैं इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वह सीक्रेट प्लेस पर चले गए हैं। आपको बता दें कि कनाडा सरकार ने अमेरिका की सीमा को पार करने के लिए ट्रक ड्राइवर का टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया था। अब हजारों की संख्या में ट्रक ड्राइवर्स ने विरोध करना शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारी कनाडा सरकार के फैसले की तुलना फासीवाद से कर रहे हैं। हजारों की संख्या में ओटावा में प्रधानमंत्री आवास के पास लोग पहुंच चुके हैं और लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मॉन्ट्रियल से आए डेविड सेन्टोस ने कहा कि उसे लगता है कि टीकाकरण अनिवार्य करना स्वास्थ्य से संबंधित नहीं है बल्कि यह सरकार द्वारा चीजों को नियंत्रित करने का एक पैंतरा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक 50,000 से ज्यादा ट्रक चालकों ने प्रधानमंत्री आवास को चौतरफा घेर लिया है। कनाडा में फिलहाल हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने सभी कोविड–19 पाबंदियों व टीकाकरण को अनिवार्य बनाने के फैसले को वापस लेने और प्रधानमंत्री ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की।

भाजपा सरकार की प्राथमिकता है नागरिकों की जासूसीः प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बेरोजगारी को लेकर रविवार को केंद्र पर हमला करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता युवाओं के लिये रोजगार होनी चाहिये, लेकिन भाजपा सरकार की प्राथमिकता नागरिकों की 'जासूसी' कराने की है। उन्होंने एक समाचार पत्र की खबर में देश में 3.03 करोड़ युवाओं के बेरोजगार रहने का दावा किये जाने पर यह कहा। सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए युवाओं के लिए जॉब्स, लेकिन भाजपा सरकार की प्राथमिकता है नागरिकों की जासूसी। प्रियंका ने एक ट्वीट में कहा, ''सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए युवाओं के लिए रोजगार, लेकिन भाजपा सरकार की प्राथमिकता है नागरिकों की जासूसी।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''देश को युवा एजेंडा चाहिए, देश को युवाओं के लिए रोजगार का रोडमैप चाहिए।

महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर गांधी के विचारों को याद किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय पर महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर कांग्रेस पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर गांधी के विचारों को याद किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष व पूर्व विधायक सतीश आजमानी ने कहा कि आज बापू की शहादत के 74 वर्ष हो गए। देश में जब नफरत की राजनीति का माहौल चल रहा है, ऐसे समय में बापू की शिक्षाओं को याद करना और उनका पालन करना अति आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा गाँधी जी के हत्यारे को महिमामंडित करती रहती है। कई मौकों पर गांधी जी के विचारों को गलत ठहराया जाता है। लोग अपशब्दों का भी उपयोग करते हैं, लेकिन इससे गांधी जी के विचारों को दबाया नहीं जा सकता है। गांधीजी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार हैं, गांधी जी की शिक्षाओं पर चलकर ही देश की समग्र तरक्की संभव है। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी, पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ला उत्तर प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग चेयरमैन पंकज श्रीवास्तव, प्रिन्ट मीडिया संयोजक अशोक सिंह, प्रदेश प्रवक्ता ध डिजिटल मीडिया संयोजक अंशू अवस्थी, प्रवक्ता सचिन रावत, रफत फातिमा, सहित अन्य तमाम कांग्रेस नेता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 8,100 नये मामले आये

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा व स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने आज बताया कि प्रदेश में कल एक दिन में कुल 2,02,467 सैम्पल की जांच की गयी। कोरोना संक्रमण के 8,100 नये मामले आये हैं। प्रदेश में अब तक कुल 9,92,89,192 सैम्पल की जांच की गयी हैं। उन्होंने बताया कि विगत 24 घण्टों में 12,080 लोग व अब तक कुल 19,34,560 लोग कोविड–19 से ठीक हुए हैं। प्रदेश में कोरोना के कुल 55,574 एक्टिव मामले है। प्रसाद ने बताया कि कोविड वैक्सीनेशन का कार्य निरन्तर किया जा रहा है। प्रदेश में कल 29 जनवरी, 2022 को एक दिन में कुल 16,09,548 डोज दी गयी है। प्रदेश में कल तक 18 वर्ष से अधिक लोंगों को कुल पहली डोज 14,66,76,992 दी गई जो उनकी जनसंख्या का 99.49 प्रतिशत है। 18 वर्ष से अधिक लोंगों को दूसरी डोज 10,14,97,070 दी गयी, जो उनकी जनसंख्या का 68.85 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग को अब तक 90,99,722 वैक्सीन की प्रथम डोज दी गयी है, जो उनकी जनसंख्या का 64.93 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि अब तक 12,53,210 प्रीकॉशन डोज दी गयी है। अब तक कुल 25,85,26,994 डोज दी जा चुकी है। प्रसाद ने बताया सभी लोग अपना कोविड टीकाकरण अवश्य करवाये। कोविड संक्रमण अभी पूरी तरह समाप्त नही हुआ है। इसलिए सभी लोग कोविड अनुरूप आचरण करे। टीकाकरण के बाद भी कोविड प्रोटोकॉल का पालन अवश्य करें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर कोविड हेल्पलाइन 18001805145 पर सम्पर्क करे।

दंगाइयों के गिरोह के सिवा सपा के पास कुछ नहीं : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। चुनावी दौरे पर बरेली में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव बौखला गए हैं, क्योंकि उनके सपने चकनाचूर हो गए है। जनता को मालूम है कि दंगाइयों के गिरोह के सिवा सपा और उसके नेता के पास कुछ नहीं है। सपा की साइकिल पंक्चर है। बसपा का कहीं अता–पता नहीं है। बरेली में पत्रकारों के सवालों पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने जवाब देते हुए कहा कि पता नहीं राहुल गांधी विदेश में हैं या देश में। इस मायने में राहुल और अखिलेश यादव एक–दूसरे से कम नहीं हैं। दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। राज्य में कांग्रेस नेताओं के पास फोटो खिंचाने के अलावा कोई और काम नहीं है। उन्होंने कहा कि जाट, गुर्जर, सैनी, कश्यप समाज हो या अनुसूचित वर्ग सब भाजपा के साथ हैं। भाजपा अगड़ा, पिछड़ा और अनुसूचित वर्ग की त्रिवेणी है। इस त्रिवेणी में सभी समाहित हैं। इस मौके पर उन्होंने अपील की बरेली को 2017 का इतिहास दोहराकर सभी नौ सीटों पर कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश में 300 से अधिक सीटें जीतकर फिर सरकार बनाएंगी। उनका कहना था कि सबका साथ, सबका विकास, सबको सम्मान, सबको स्थान। भाजपा के पास समाज के सभी वर्गों का गुलदस्ता है, जबकि सपा के पास गुंडे, अपराधियों, माफियाओं, भ्रष्टाचारियों का कैक्टस है। पत्रकारों के सवालों के जवाब में उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि पत्रकार सुधीर सैनी की सहारानपुर में हत्या और अखिलेश यादव के गुंडों ने गाजियाबाद में कल पत्रकारों को पीटा। इसका जवाब उनको देना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज आगरा में प्रवास पर रहेंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल सोमवार, 31 जनवरी 2022 को आगरा में प्रवास पर रहेंगे, जहां कई संगठनात्मक कार्यक्रमों में सम्मिलित होगें। योगी आदित्यनाथ कल सुबह 11:30 बजे आगरा की एत्मादपुर विधानसभा के आवलखेड़ा बाजार के पास मैदान, एत्मादपुर, आगरा में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद व घर–घर सम्पर्क करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 01:30 बजे फतेहपुर सीकरी विधानसभा के रामवीर क्रीड़ा स्थल, किरावली, आगरा में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद करेंगे। वहीं दोपहर 03:00 बजे फतेहाबाद विधानसभा के जीआर कास्मिक स्कूल, शमशाबाद, फतेहाबाद, आगरा में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद करेगें।

हमने यूपी का मान बढ़ाया, सपा वालों ने बदनाम किया : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को प्रदेश कार्यालय पर हुई प्रेसवार्ता में कहा कि कुछ लोग बदलाव–बदलाव की बात कर रहे हैं। मेरा उनसे सीधा सवाल है उनको बड़ी शिद्दत और उम्मीद से 2012 में कुर्सी पर बिठाया था। लेकिन उन्होंने क्या किया? जनता को सब याद है। उन्होंने वादों की पोटली को कचरे के डिब्बे में डाल दिया। उन्होंने एक नई कहानी लिखी जो बदलाव की नहीं बदनाम करने की थी। उत्तर प्रदेश के संसाधनों की लूट की कहानी थी, कहानी युवाओं और नौजवानों की नौकरियों की लूट की थी, कहानी गुंडों, दंगाइयों, बलवाइयों के अत्याचार की थी। हद तो तब हो गई जब इन्होंने बलात्कारी को कैबिनेट में बिठाया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले सपा राज में घोटालों की कहानी गढ़ी गई। कोई नहीं भूला है खनन घोटाला, पेंशन घोटाला, छात्रवृत्ति घोटाला, राशन घोटाला, लैपटॉप घोटाला, शुल्क प्रतिपूर्ति घोटाला, कन्या विद्याधन घोटाला, रिवर फ्रंट घोटाला, नोएडा अथॉरिटी को भी आपने गिरवी रख दिया था। और तो और लोहिया के नाम पर भी घोटाला कर दिया। लोहिया ग्राम घोटाला याद है न।

बताया कि इन्होंने दंगों का वास्तविक मंचन किया। सबको याद है 700 से ज्यादा दंगे, कुछ याद दिलाता हूं। मुजफ्फरनगर दंगा, सहारनपुर दंगा, मथुरा दंगा, मऊ दंगा, लखनऊ में भी सपाई दंगाई क्या कर रहे थे? हो सकता सपा मुखिया भूल गए हों, लेकिन यूपी की जनता नहीं भूली है। सबको याद है, गरीब को पेट की रोटी के लिए तरसाया, पक्के मकान के लिए भटकाया, अस्पताल में इलाज से भगाया, बिजली कनेक्शन के लिए दौड़ाया गया। सबको याद है कि बहू–बेटियां घर से निकलीं तो गुंडों ने उन्हें डराया। दंगाइयों को बिरियानी खिलाया। गुंडों, हत्यारों, बलात्कारियों को मंत्री बनाया। यह उत्तर प्रदेश का कोई निवासी भूला नहीं है। कैसे दंगाइयों को सम्मानित किया गया। उन्हें राजनैतिक और प्रशानिक पदों पर बिठाया गया। यह कोई नहीं भूला है। 2017 के बाद जो बदलाव आया है वह सबने देखा है। पूरी तरह से फर्क साफ है। भाजपा नेता अपर्णा यादव ने कहा कि बदलाव तो 2017 में हुआ, इससे पहले यूपी खतरे में था। जनता ने भाजपा को जिताया सरकार बनाई तो असली बदलाव आया। क्योंकि हमारे पास संकल्प और अच्छी नीयत दोनों थी। सबने देखा है कि यूपी में 5 साल में एक भी घोटाला नहीं हुआ, 5 साल में एक भी दंगा नहीं हुआ, 47 हजार से ज्यादा भूमाफिया और गुंडे जेल में हैं, 2000 करोड़ की अवैध संपत्तियो पर बुलडोजर चला, युवाओं नौजवानों को बिना सिफारिश नौकरी मिली, आज यूपी में 39 नए मेडिकल कॉलेज बन गए। यूपी में हर गरीब को आयुष्मान का स्वास्थ रक्षा कवच, 5 साल में 43 लाख लोगों को पक्का घर मिला, 2. 5 करोड़ शौचालय, 2 करोड़ गैस कनेक्शन, 15 करोड़ लोगों को डबल राशन मुफ्त मिल रहा है, 1.41 करोड़ लोगों को बिजली कनेक्शन मिला। अब बहू–बेटियों को डर नहीं लगता, क्योंकि यूपी में बीजेपी की सरकार है। अपराधी पलायन कर गए हैं। क्योंकि यूपी में बीजेपी की सरकार है, गुंडाराज, भ्रष्टाचार, दंगाराज से मुक्त प्रदेश भाजपा की सरकार में है। कहा कि कांग्रेस के टिकट पर क्या केवल यूपी में ही लड़की लड़ सकती है। पंजाब में कांग्रेस की महिला अध्यक्ष भी अब सवाल उठा रही है। वहां महिला कांग्रेस की 12 कार्यकर्ताओं ने टिकट मांगा था एक को भी नहीं मिला। प्रियंका आप कैसे लड़की को लड़वाएंगी। उत्तराखंड में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष को अपमानित होना पड़ा और उन्हें सम्मान भी भाजपा मिला। प्रियंका केवल स्लोगन से काम नहीं चलेगा। अच्छे मन से काम करके दिखाना पड़ेगा।

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक व निजी स्थानों से अब तक कुल 71,93,590 प्रचार सामग्री हटायी गयी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश भर में लागू आदर्श आचार संहिता को सुनिश्चित कराने के लिये सार्वजनिक व निजी स्थानों से अब तक कुल 71,93,590 प्रचार सामग्री हटायी गयी है, जिसमें से सार्वजनिक स्थानों से 53,17,470 व निजी स्थानों से 17,76,120 प्रचार सामग्री हटायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक सार्वजनिक स्थानों से वाल राइटिंग के 3,75,390 पोस्टर के 23,68,532 बैनर के 17,05,883 व 8,67,665 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी है। इसी प्रकार निजी स्थलों से वाल राइटिंग के 1,67,039 पोस्टर के 7,90,565 बैनर के 5,04,795 व 3,13,721 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, समावेशी व कोविड सुरक्षित मतदान कराने के लिए प्रदेश में आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में पुलिस, आयकर, आबकारी, नारकोटिक्स व अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा अब तक 7,98,730 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये। अब तक 528 लाइसेन्स जब्त किये गये। इसी प्रकार सी0आर0पी0सी0 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुये 28,70,469 लोगों को पाबन्द किया गया हैं। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक विभिन्न धाराओं में 559 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है, जिसमें से आज विभिन्न धाराओं में 42 एफआईआर दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा अब तक 6823 शस्त्र, 7205 कारतूस, 214 विस्फोटक व 214 बम बरामद किये गये। पुलिस विभाग द्वारा रेड डालकर अवैध शस्त्र बनाने वाली 121 फैक्ट्रियों को सीज किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आबकारी व पुलिस विभाग द्वारा अब तक 19.82 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की 8,02,793 लीटर मदिरा जब्त की गयी हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग व आयकर विभाग की कार्रवाई में अब तक लगभग 22.22 करोड़ रूपये का कैश बरामद किया गया है, जिसमें से लगभग 2.02 करोड़ रुपये का कैश आज बरामद किया गया है। इसी प्रकार नारकोटिक्स व पुलिस विभाग द्वारा अब तक 26.23 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य का 7490 कि0ग्रा0 ड्रग्स जब्त किया गया है, जिसमें से 47.41 लाख रुपये से अधिक मूल्य का 358 किग्रा0 ड्रग्स आज जब्त किया गया। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा अब तक 98.96 लाख रुपये मूल्य की 86.84 किग्रा की बहुमूल्य धातुएं भी बरामद की गयी हैं।

किसान–नौजवान इस बार भाजपा का कोई दांव नहीं चलने देंगे: अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि किसान, नौजवान और गरीब इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा का कोई दांव नहीं चलने देंगे। भाजपा ने जनता के साथ बहुत अत्यचार और अन्याय किया है। महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाकर तकलीफ दी है। खेती–किसानी को संकट में डाला है। दुख और परेशानियां दी है। लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाया है। हारती हुई भाजपा अब तमाम तरह के दांव चल रही है, लेकिन सब फेल हो रहे हैं। जनता ने भाजपा का अहंकार तोडने का मन बना लिया है। इस बीच गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने अमित शाह का चौलेंज स्वीकार करते हुए ऐलान किया कि वह हर चौलेंज के लिए तैयार हैं। वो जगह और समय बताएं। उल्लेखनीय है कि कानून व्यवस्था के मुद्दे सपा को घेरते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने अखिलेश यादव को अपने समय के आंकड़े पेश करने की चुनौती दी थी। रविवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिना किसी का नाम लिए ट्वीट किया कि हम हर चौलेंज के लिए अभी तैयार हैं। सच को तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती। वो जगह बताएं, समय बताएं। माना जा रहा है कि उन्होंने बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष की ओर से दी गई चुनौती का जवाब दिया है।

राजनीति में धनबल और बाहुबल का बोलबाला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के उत्तर प्रदेश में 2004 से लोक सभा और विधानसभा चुनावों में सांसदोंधविधायकों और उम्मीदवारों के वित्तीय और आपराधिक मामलों का विश्लेषण किया गया है। संसदीय और राज्य विधानसभा के 21229 प्रत्याशियों सांसदोंध विधायकों का विश्लेषण शामिल है, जिसमें संसदीय और राज्य विधानसभा के 1544 विजयी सांसदोंधविधायकों का विश्लेषण शामिल है। यह जानकारी 2007, 2012 और 2017 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावो और 2004, 2009, 2014 और 2019 उत्तर प्रदेश लोक सभा चुनावों और उत्तर प्रदेश विधानसभा और लोक सभा उपचुनावों से पहले उम्मीदवारों ने प्रस्तुत शपथपत्रों पर आधारित है। इस विश्लेषण में पाया गया कि संसदीय और राज्य विधानसभा के 21229 प्रत्याशियों सांसदोंध विधायकों में से 3739 ((18 प्रतिशत) उम्मीदवारों के ऊपर आपराधिक मामले घोषित है। जिसमें से 2299 ((11 प्रतिशत) उम्मीदवारों के ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित है। वही वर्ष 2004 से विजयी 1544 सांसदोंधविधायकों में से 604 (39 प्रतिशत) सांसदोंधविधायकों पर आपराधिक मामले व 380 ((25 प्रतिशत) ने अपने घोषणा पत्र में गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये है। बात अगर दलवार उम्मीदवारों की करे तो 2004 से कांग्रेस से चुनाव लडने वाले 1102 में से 325 (29 प्रतिशत), बीजेपी के 1410 में से 473 (34 प्रतिशत), बीएसपी के 1466 में से 527 (36 प्रतिशत), एसपी के 1329 में से 541 (41 प्रतिशत), आरएलडी के 584 में से 114 (20 प्रतिशत) और 6725 में से 612 (9 प्रतिशत) निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है। वही कांग्रेस से चुनाव लडने वाले 174 (16 प्रतिशत), बीजेपी के 279 (20 प्रतिशत), बीएसपी के 345 (24 प्रतिशत), एसपी के 325 (24 प्रतिशत), आरएलडी के 80 (14 प्रतिशत) और 389 (6 प्रतिशत) निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये है। वर्ष 2004 से कांग्रेस के 88 में से 31 (35 प्रतिशत) सांसदोंधविधायकों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये है। बीजेपी के 573 में से 225 (39 प्रतिशत), बीएसपी के 363 में से 125 (34 प्रतिशत), एसपी के 432 में से 184 (43 प्रतिशत), आरएलडी के 29 में से 6 (21 प्रतिशत) और 20 में से 15 (75 प्रतिशत) निदर्लीय सांसदोंधविधायकों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। वही कांग्रेस के 18 (20 प्रतिशत), बीजेपी के 163 (28 प्रतिशत), बीएसपी के 71 (20 प्रतिशत), एसपी के 98 (23 प्रतिशत), आरएलडी के 4 (14 प्रतिशत) और 13 (65 प्रतिशत) निर्दलीय सांसदोंधविधायकों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किये है। अगर बात प्रत्याशियों की वित्तीय पृष्ठभूमि की जाये तो 21229 उम्मीदवारों की औसतन सम्पत्ति 1.46 करोड है। वही 2004 से विजयी 1544 सांसदध विधायकों की औसतन सम्पत्ति 4.60 करोड रूपये है। बीजेपी के 1410 उम्मीदवारों की औसतन सम्पत्ति 3.73 करोड, कांग्रेस के 1102 उम्मीदवार की 4.60 करोड, बीएसपी के 1466 प्रत्याशियों की 4.55 करोड, एसपी के 1329 उम्मीदवार की 3.35 करोड और निर्दलीय 6725 उम्मीदवारों की औसतन सम्पत्ति 39.49 लाख है। वही दलवार बीजेपी के 573 सांसदोंधविधायकों की औसतन सम्पत्ति 6.39 करोड, कांग्रेस के 88 सांसदोंधविधायकों की 5.53 करोड, बीएसपी के 363 सांसदोंधविधायकों की 3.69 करोड, एसपी के 432 सांसदोंध विधायकों 2.84, और निर्दलीय 20 सांसदोंधविधायकों की औसतन सम्पत्ति 2.97 करोड है। वर्ष 2004 से चुनाव लडने वाले 21229 उम्मीदवारों में से केवल 1641 (8 प्रतिशत) महिला उम्मीदवार है। वही 147 महिलाऐं सांसदधविधायक चुनावती है। 1641 महिला उम्मीदवारों की औसतन सम्पत्ति 2.19 करोड है वही 147 महिला सांसदध विधायकों की औसतन सम्पत्ति 8.31 करोड है।

राजनीत में धनबल और बाहुबल का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है इस बात की तस्दीक एडीआर की रिपोर्ट दे रही है जिस तरह से राजनीति में पूंजीपतियों और बाहुबलियों ने सत्ता पर काबिज होने के लिए जोर आजमाइश शुरू की है वह आने वाले दिनों मैं लोकतंत्र के लिए खतरा यह बात यूपी इलेक्शन वॉच एडीआर उत्तर प्रदेश के प्रमुख संजय सिंह ने कहीं उन्होंने कहा कि राजनीति में अपराधियों के रोकने के लिए जो भी प्रयास किए जा रहे हैं वह कमजोर साबित हो रहा है तमाम सारे प्रयासों के बाद भी चुनावी राजनीति में अपराधियों का बोलबाला बढ़ता जा रहा है यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह सोमवार को मथुरा के प्रवास पर रहेंगे

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह कल सोमवार, 31 जनवरी 2022 को मथुरा के प्रवास पर रहेंगे, जहां कई संगठनात्मक बैठकें करेंगे और विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यकर्ताओं व पार्टी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन करेंगे। सिंह कल सुबह 11:15 बजे मथुरा की मांट विधानसभा के सेऊपट्टी, बाजना नगर में भाजपा सरकार की उपलब्धियों के साथ घर–घर पहुंचकर जनसम्पर्क करेंगे। वहीं दोपहर 12:30 बजे आरके फार्म, बाजना, मांट, मथुरा में प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष कल दोपहर 03:00 बजे मथुरा की बलदेव विधानसभा के राधा कृष्ण इंटर कालेज, बरौली बल्देव, मथुरा में बल्देव विधानसभा के प्रभावी मतदाताओं के साथ संवाद करेंगे व सायं 04:00 बजे जादोपुर में घर–घर जनसम्पर्क करेंगे। सिंह कल सायं 06:00 बजे वृन्दावन में घर–घर जनसम्पर्क करेंगे व सायं 07:00 बजे प्रभावी मतदाताओं के साथ बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री ने जनपद बुलंदशहर के सेठ सूरजमल जटिया कोविड चिकित्सालय, खुर्जा का निरीक्षण कर कोरोना उपचार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद बुलंदशहर के सेठ सूरजमल जटिया कोविड चिकित्सालय, खुर्जा का निरीक्षण कर कोरोना उपचार व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के उपरान्त, मुख्यमंत्री ने मीडिया के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना से पूरी दुनिया प्रभावित हुई। भारत में बेहतर कोविड प्रबन्धन के माध्यम से लोगों का जीवन व जीविका बचाने के प्रयास बहुत प्रभावी सिद्ध हुए। देश में हुए कोविड प्रबंधन की सराहना पूरी दुनिया में हुई। भारत में बनी कोरोना रोधी वैक्सीन दुनिया की सबसे प्रभावी वैक्सीन में से एक है। देश में इसका प्रभावी और व्यापक उपयोग भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का सर्वाधिक आबादी वाला राज्य होने के कारण उत्तर प्रदेश में कोरोना प्रबन्धन एक बड़ी चुनौती थी। भारत सरकार के साथ मिलकर प्रदेश में कोविड प्रबंधन का कार्य अत्यंत प्रभावी ढंग से किया गया। राज्य में कोविड प्रबंधन के क्रम में विकसित मॉडल की सराहना देश और दुनिया में हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण की पहली वेव के बाद दूसरी वेव में ऑक्सीजन की क्राइसिस महसूस की गई। इस दौरान भारत सरकार के सहयोग से हर जनपद को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के प्रयास के साथ ही ऑक्सीजन प्लांट भी लगाए गए। वर्तमान में प्रदेश ऑक्सीजन में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुका है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में पर्याप्त संख्या में ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए गए हैं। प्रदेश में 551 ऑक्सीजन प्लॉण्ट लगाये गये। जनपद बुलंदशहर में 14 ऑक्सीजन प्लाण्ट स्थापित हुये हैं, इसमें से 13 क्रियाशील हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण व शहरी दोनों इलाकों में कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कोविड प्रबंधन का कार्य निगरानी समितियों के माध्यम से किया गया। निगरानी समितियों ने डोर टू डोर जाकर संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित किया, उन्हें मेडिसिन किट उपलब्ध करायी, 24 घंटे के अंतर्गत रैपिड रिस्पांस टीम भेजकर कोरोना संक्रमण की जांच करायी। परिणामस्वरूप थर्ड वेव जिसके माह अगस्त–सितंबर, 2021 में आने की आशंका व्यक्त की जा रही थी, को नियंत्रित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश थर्ड वेव को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल हो चुका है। अनुमान है कि आगामी 8–10 दिनों में कोरोना संक्रमण की थर्ड वेव पूरी तरह नियंत्रित होगी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक्टिव मामले तेजी से कम हुए हैं। एक सप्ताह पहले प्रदेश में कोरोना संक्रमण के एक्टिव मामले 01 लाख 06 हजार थे। एक सप्ताह में इसमें लगभग 50 हजार की कमी आई है। राज्य में कुल एक्टिव मामलों के लगभग 01 प्रतिशत संक्रमित लोगों को हॉस्पिटल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने वैक्सीनेशन के लक्ष्य को भी बहुत प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया है। आज सायंकाल तक उत्तर प्रदेश कोरोना वैक्सीन की लगभग 26 करोड़ डोज देने वाला देश का पहला राज्य होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश में 99 प्रतिशत से अधिक पात्र लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दे दी जाएगी। इसके साथ ही, दोनों डोज प्राप्त करने वाले पात्र लोगों की संख्या 70 प्रतिशत हो जाएगी। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक कोरोना टेस्ट करने वाला राज्य भी है। प्रदेश में अब तक 9 करोड़ 93 लाख से अधिक टेस्ट संपन्न हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद बुलंदशहर में अब तक 41 लाख 85 हजार से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसमें से 24 लाख 37 हजार कोरोना वैक्सीन डोज 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के पात्र लोगों को प्रथम डोज के रूप में दी गई है। 15 लाख 86 हजार लोगों को कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज प्रदान की गई है। जनपद में 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 1 लाख 40 हजार नवयुवकों ने कोरोना वैक्सीन ले ली है। 22 हजार से अधिक लोगों ने प्रिकॉशन डोज भी प्राप्त कर ली है, जो लक्ष्य के 97 प्रतिशत से अधिक है। कोरोना वैक्सीनेशन के अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने से कोरोना संक्रमण की थर्ड वेव की आशंका को न्यूनतम करने में सफलता प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की थर्ड वेव से डरने और भागने की नहीं, बल्कि सतर्कता और सावधानी की आवश्यकता है। बुजुर्ग, बीमार, बच्चे, गर्भवती महिलाएं, कमजोर इम्युनिटी के लोग अनावश्यक घर से बाहर न निकलें, शेष लोगों को घर से बाहर निकलना आवश्यक हो तो मास्क जरूर लगायें। भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचें।

कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करें, इससे संक्रमण पर नियंत्रण करने में सफलता मिलेगी। सतर्कता और सावधानी कोरोना को परास्त करने व लोगों के जीवन और जीविका को बचाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सम्मिलित प्रयासों से कोरोना हारेगा और भारत जीतेगा।

जमकर हुआ फर्जी भुगतान, पंचायत भवन में नदारद दिखा कुर्सी मेज व कंप्यूटर

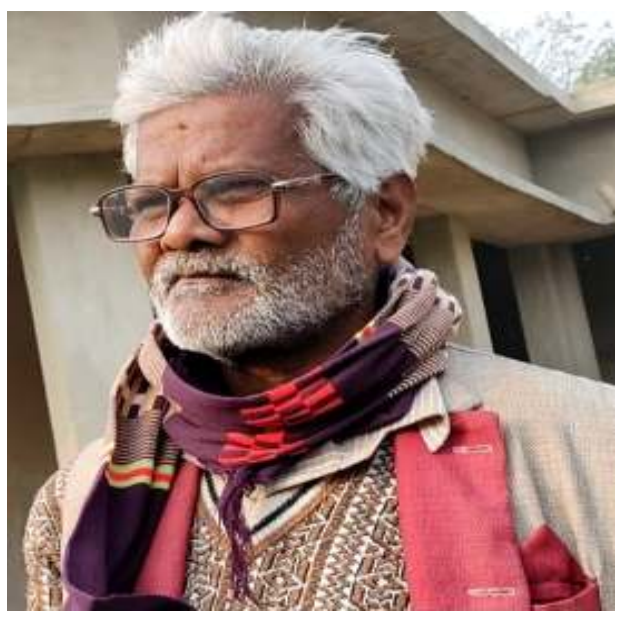

- लाखों के भुगतान के बाद भी पंचायत भवन में नहीं लगा कुर्सी मेज मेज व कम्प्यूटर, पंचायत भवन की स्थिति है दयनीय
- बढ़नी ब्लॉक का इमिलिया जनूबी के कोहड़ौरा का है मामला
- पंचायत भवन परिसर में शौचालय व फर्स को लेकर भी उठा सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकासखंड के ग्राम पंचायत इमिलिया जुनूबी टोला कोहड़ौरा में ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है जो प्रथम दृष्टया दयनीय स्थिति में है।

पंचायत भवन में ना तो दरवाजे लगाए गए हैं और ना ही उसके फर्श का मरम्मत आदि ही कराया गया है। पंचायत भवन के बाउंड्री वाल को लेकर भी सवाल उठ रहा है।

ग्रामीणों का माने तो प्रश्नगत पंचायत भवन तक जाने के लिए रास्ते नहीं हैं। वहां किसी तरह पैदल जाया जाता है। साथ ही शौचालय निर्माण कार्य भी पूरा होना नहीं बताया जाता है। गाँव के जमील ने कहा कि पंचायत भवन तक जाने के लिए रास्ता नही है। गाँव के चंद्राराम ने बताया कि पंचायत भवन पर शौचालय आदि की सुविधा नही है। पंचायत भवन अपूर्ण है।

गाँव के राधेश्याम ने बताया कि 1 वर्ष से पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका फर्स कार्य पूरा नही है। भवन में दरवाजा आदि भी नही लगाया गया है।

पंचायत भवन दयनीय स्थिति में है। ग्राम प्रधान पिताम्बर ने बताया कि सामान की खरीददारी के लिए पैसे की निकासी की गई है।

एक सप्ताह में दरवाजा, कंप्यूटर लग जायेगा। उक्त के सन्दर्भ में जब ग्राम पंचायत अधिकारी अनुपम सिंह से बात की गई तो उनसे संपर्क नही हुआ।

सीओ व इंस्पेक्टर ने किया आबकारी दुकानों का निरीक्षण

दैनिक बृद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पुलिस क्षेत्राधिकारी हरिश्चंद्र व

आबकारी इंस्पेक्टर अजय कुमार के साथ थाना इंस्पेक्टर इंस्पेक्टर वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने क्षेत्र के अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, लाइसेंस, आई कार्ड आदि भी चेक किये गए। साथ ही सभी दुकानदारों को कोविड नियमों के पालन करने का निर्देश भी दिया। सी०ओ० हरिश्चंद्र व आबकारी इंस्पेक्टर अजय कुमार ने बताया की विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है।

समूह खेलों से होता है एकता की भावना का निर्माण–विकास वत्स

दैनिक बृद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नेहरू युवा केंद्र सिद्धार्थनगर के तत्वाधान ब्लॉक

स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरगदवा विकासखंड नौगढ़ में दिनांक 29–1–2022 से 30–1–2022 तक किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नेहरू युवा केंद्र के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक गोविन्द ,सनूप,अजय,अभिषेक पांडेय राजबली जी आदि सने कार्यक्रम में सहयोग किया जिसमे कबड्डी, बॉलीबॉल, फुटबॉल, खो–खो, दौड़, लंबी कूद आदि खेल का आयोजन किया गया । प्रत्येक खेल में 6–6 टीमो ने भाग लिया । जिसमे उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि अरुण कुमार मिश्रा ग्राम प्रधान बरगदवा व समापन सत्र के मुख्य अतिथि विकास पांडेय जिला उपाध्यक्ष विकास भारतीय जनता युवा मोर्चा सिद्धार्थ नगर रहे ।कार्यक्रम के समापन पर विकास पांडेय ने युवाओ को उत्साहवर्धन के लिए समोबोधित किया । विकास पांडेय ने कहा कि युवा ही देश की मुख्य बिंदु हैं । बॉलीबॉल में सौरभ सिंह व कबड्डी में नौगढ़ आदि खेलों में प्रतिभागियों ने ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।उक्त अवसर पर खुशबू ,रिमझिम,सोनम,सुमन, रीमा,शिव सागर चौधरी ,अभिषेक गोस्वामी,अनिल,अनुराग यादव आदि उपस्थित रहे।

रिश्तो को किया शर्मिंदा ,देवरानी के बेटे की गला दबाकर हत्या,गिरफ्तार

दैनिक बृद्ध का संदेश

भनवापुर (सिद्धार्थनगर)। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के लोहरौली गांव में एक महिला को पुलिस ने अपनी देवरानी के पांच साल के इकलौते बेटे की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आपसी तकरार से नाराज महिला ने मासूम की गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को गांव के पोखरे के किनारे छिपा दिया था। वारदात शनिवार की रात की बताई जा रही है। क्षेत्र के लोहरौली गांव निवासी अकरम व इस्लाम दोनों भाइयों का परिवार एक ही मकान में रहते है।। दोनों भाई, रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। अकरम की पत्नी नजमा के मुताबिक, शनिवार की देर शाम अपने पुत्र इरशाद (5) को खाना खिलाकर वह खेत की ओर चली गई थी। करीब एक घंटा बाद वापस आई तो इरशाद को बिस्तर पर न देखा तो रोने लगी। उसने बरामदे में दूसरी तरफ सोयी जेठानी जैनब से पूछा कि बेटा कहां गया तो उसने जवाब नहीं दिया। उसके बाद नजमा ने पड़ोसियों के साथ ही प्रधान के प्रतिनिधि बालक राम चौधरी को पूरी बात बताई। प्रधान के प्रतिनिधि ने त्रिलोकपुर थाने की पुलिस को सूचना दी। लोहरौली गांव पंहुचे प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकपुर राम कृपाल शुक्ल की टीम ने दोनों महिलाओं से बात करके उन्हें थाने ले आई। रात में पुलिस ने जेठानी जैनब से थाने में पूछताछ की तो उसने इरशाद का मुंह व गला दबाकर मारने तथा शव को गांव के पश्चिम स्थित तालाब के पास छिपाने का जुर्म कबूल किया। आरोपित के बताए स्थान पर रात करीब दस बजे पहुंची पुलिस ने इरशाद के शव को शैवाल के नीचे गहरे पानी से बाहर निकाला। सीओ डुमरियागंज अजय कुमार श्रीवास्तव ने रविवार को घटनास्थल का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि त्रिलोकपुर पुलिस ने मृतक इरशाद की मां नजमा की तहरीर पर आरोपित महिला जैनब पर मुकदमा दर्जकर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बांसी से राधेश्याम पांडेय सहित,सपा से आए कन्हैया पर बसपा का दांव

बांसी से राधेश्याम पांडेय डाल सकतें है चुनाव में असर

दैनिक बृद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बहुजन समाज पार्टी ने जिले की पांच सीटों में शेष बचे दो पर रविवार को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। कपिलवस्तु में सपा से आए कन्हैया कन्नौजिया को और बांसी से राधेश्याम पांडेय को प्रत्याशी घोषित किया है।

बसपा ने डुमरियागंज में प्रत्याशी बदल दिया है। बसपा की तरफ से पूर्व घोषित प्रत्याशी अशोक त्रिपाठी की जगह अब शैलेंद्र उर्फ राजू श्रीवास्तव को प्रत्याशी बनाया गया है। बसपा ने जिले की पांच सीटों में डुमरियागंज, इटवा और शोहरतगढ़ से पहले ही प्रत्याशी घोषित कर दिया था। इसमें डुमरियागंज से अशोक त्रिपाठी, इटवा से हरिशंकर सिंह और शोहरतगढ़ से राधेरमण त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया गया था। रविवार को पार्टी ने शेष बचे कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र से कन्हैया कन्नौजिया को और बांसी से राधेश्याम पांडेय को प्रत्याशी घोषित किया। साथ ही डुमरियागंज से पूर्व घोषित प्रत्याशी को बदलते हुए शैलेंद्र उर्फ राजू श्रीवास्तव को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया।जिससे जनपद के लोग हैरान राह गये। कन्हैया कन्नौजिया पूर्व पुलिसकर्मी हैं, जो सेवानिवृत होने के बाद सपा से कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र से टिकट की दावेदारी कर रहे थे। सपा के यहां से दूसरे को टिकट दिए जाने के बाद वह एक दिन पहले बसपा में शामिल हुए थे। वहीं, डुमरियागंज से बसपा का टिकट पाने वाले शैलेंद्र उर्फ राजू श्रीवास्तव विभिन्न दलों में सक्रिय रहे हैं। बांसी से घोषित प्रत्याशी राधेश्याम पांडेय व्यवसायी होने के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता हैं। बांसी से राधेश्याम पांडेय को टिकट देकर बसपा ने एक बड़ा दाव खेला है जो बाहम्ण मतदाताओ को सोचने पर मजबुर कर सकता है विजय भी मिल सकती है

चुनाव ड्यूटी में आये सेना के जवानों का पुलिस ने किया स्वागत

दैनिक बृद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधान सभा चुनाव को लेकर

शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र में ड्यूटी में आये एस०एस०बी० जवानों का सी०ओ० हरिश्चंद्र व इंस्पेक्टर वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने प्रोटोकॉल के तहत पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सीओ हरिश्चंद्र ने कहा कि विधानसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जवानों को मिलने वाली आवश्यक सुविधाओं को दिया जाएगा, जिससें उन्हें अच्छी सुविधा मुहैय्या कराई जा सके। इस दौरान इंस्पेक्टर वेद प्रकाश श्रीवास्तव, उपनिरीक्षक रविकांत मणि त्रिपाठी, उपनिरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप यादव, का पवन यादव, आदित्य कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

एसपी ट्रैफिक ने जाम की समस्या के समाधान के लिए सड़क पर उतरकर मोर्चा संभाला

दैनिक बृद्ध का संदेश

गोरखपुर। जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस

प्रशासन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए गोरखपुर वासियों को समस्या के समाधान के लिए प्रयत्नशील है वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन ताडा के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक डॉ महेंद्र पाल सिंह जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए सड़कों पर उतर कर यातायात व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त बनाने के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। एसपी ट्रैफिक अपने मातहतों के साथ छात्र संघ चौराहा से पैडलेगंज चौराहा एवं छात्र संघ से भगत सिंह चौक तक अतिक्रमण हटाने व सड़क चौड़ीकरण के दृष्टिगत भ्रमण किया संबंधित से कहा कि रोड के किनारे खड़ी चार पहिया वाहनों को तत्काल कार्रवाई करते हुए यार्ड में खड़ी कराया जाए जिससे जनपद वासियों को यातायात के संबंध में किसी प्रकार की असुविधा ना होने पाए शासन द्वारा नौसर से पहले गंज चौराहे तक सिक्स लेन बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है जिसके लिए प्रशासन प्रयत्नशील है कि जल्द से जल्द इस लिंक को बना दिया जाए और जनपद वासियों को जाम के झाम से निजात दिलाया जा सके।

22 स्थानों पर चेक पोस्ट स्थापित करके चेकिंग शुरु : एएसपी सुरेशचंद रावत

भारत–नेपाल सीमा पर पुलिस की पैनी नजर

दैनिक बृद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारत–नेपाल सीमा पर पुलिस की नजर पैनी हो गई है। जिले में प्रवेश करने वाले 22 स्थानों पर चेक पोस्ट स्थापित करके चेकिंग शुरू कर दी गई है। इनमें नौ भारत–नेपाल सीमा पर बने हुए हैं और 13 जिलों में आने वाले स्थानों पर चेकपोस्ट बनाए गए हैं। यहां बॉडी वार्न कैमरे से लैस पुलिस के जवान चेकिंग कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी रोकने के लिए पुलिस कई प्रयोग कर रही है। चुनाव के दौरान को जिले में आकर गड़बड़ी न करे और कोई संदिग्ध गतिविधि को अंजाम न दे सके, उसके मद्देनजर चेक पोस्ट बनाकर चेकिंग शुरू की गई है। इसमें नेपाल सीमा पर ठोठरी बार्डर, नरकुल, लालपुर, लीलाडिहवा, अलीगढ़वा बार्डर, गौरी बार्डर, खुनुवां और बढ़नी बार्डर पर चेक पोस्ट बनाकर चेकिंग की जा रही है। इसी प्रकार लक्षनपुर, लोटन घोंघी पुल, पेड़री सीमा महराजगंज जनपद, बढ़नी चाफा, मलगहिया, सिंगारजोत, भड़रिया, बलरामपुर जनपद की सीमा पर, बनकटा मोड़ संतकबीरनगर जनपद सीमा, बेंवा तिराहा, डिड़ई, चंद्रदीप घाट गोंडा जनपद सीमा पर चेक पोस्ट बनाया गया है। यहां पर पुलिस टीम लगा दी गई है। बॉडी वार्न कैमरे से लैस पुलिसकर्मी चेकिंग कर रहे हैं। इस संबंध में एएसपी सुरेशचंद रावत ने बताया कि 22 स्थानों पर चेक पोस्ट बनाकर चेकिंग शुरू की गई है। संदिग्धों की जांच शुरू कर दी गई।

पत्नी की मौत पर पति को बनाया बंधक

दैनिक बृद्ध का संदेश

इटवा। पत्नी की मौत के बाद रविवार को अंतिम संस्कार में त्रिलोकपुर थाने के बुड्ढी गांव में अपनी ससुराल आए पति को लोगों ने बंधक बना लिया। आक्रोशित लोगों ने उसे जमकर खरीखोटी सुनाई। महिला तीन साल से मायके में थी और बीमार थी। आरोप है कि पति कभी देखने के लिए नहीं आया।क्षेत्र के ग्राम बुड्ढी निवासी महिला की अपने मायके में शनिवार रात में बीमारी से मौत हो गई।

इसकी जानकारी जब उसके पति को हुई तो वह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए ससुराल पहुंच गया। इस जानकारी पर गांववालों ने उसे घेर लिया। ससुराल के लोग उस युवक पर काफी नाराज थे।हालांकि लोगों का कहना था कि उसे बंधक नहीं बनाया गया था। बल्कि, मृत महिला की एक मात्र पुत्री के जीवनयापन के लिए उससे बातचीत की जा रही है। इस संबंध में एसओ त्रिलोकपुर रामकृपाल शुक्ल ने कहा कि ऐसे किसी मामले की जानकारी उन्हें नहीं है।

सम्पादकीय

रेलवे ने विज्ञापन में कहा था कि पहले चरण में रिक्त पदों के बीस गुना छात्रों को पास किया जायेगा, जिससे दूसरे चरण में ज्यादा आवेदकों को जगह मिल सकेगी। छात्रों को लगता है कि एक ही आवेदक के कई पदों के लिये चयनित होने से प्रथम चरण में चयनित छात्रों की संख्या कम हो जायेगी। वे एक छात्र एक रिजल्ट ...

विसंगतियों का प्रतिकार

रेलवे भर्ती बोर्ड की विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाओं की विसंगतियों को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश में परीक्षार्थियों का हिंसक विरोध इस बात का संकेत है कि नौकरियों के लिये होने वाली परीक्षाओं को लेकर धैर्य चूकने लगा है। हालांकि, इन आंदोलनों के पीछे कुछ अन्य घटक भी होते हैं, लेकिन बेरोजगारी की चिंताजनक स्थिति आक्रोश को बढ़ाने का ही काम कर रही है। यह तंत्र की नाकामी का ही उदाहरण है कि वर्ष 2019 में रेलवे के विभिन्न वर्गों के पदों के लिये घोषित नौकरियों की परीक्षाएं अब तक पूरी नहीं हो पायी हैं। ऐसे में बढ़ते विलंब से प्रतियोगी परीक्षाओं की आयु सीमा निकलते देख बेरोजगारों का धैर्य जवाब देना स्वाभाविक ही है। लेकिन इसके बावजूद हिंसक प्रदर्शनों व रेलवे की संपत्ति को क्षति पहुंचाने को कतई तार्किक नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, छात्रों के उग्र प्रदर्शन के बाद अब रेलवे ने कुछ परीक्षाओं को स्थगित किया है और छात्रों की समस्याओं को सुनने के लिये पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति रेलवे भर्ती बोर्ड की गैर–तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी के लेवल–1 की परीक्षा में पास हुए व फेल हुए छात्रों से बात करके रिपोर्ट रेल मंत्रालय को सौंपेगी। यह जांच पहले चरण की परीक्षा के परिणाम तैयार करने के तरीकों के बारे में होगी। यद्यपि परीक्षा में पास छात्रों की सूची में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। कमेटी दूसरे चरण की परीक्षा पर अपने सुझाव देगी। कमेटी की रिपोर्ट आने तक पंद्रह फरवरी, 2022 को होने वाली दूसरे चरण की परीक्षा और 23 फरवरी, 2022 को होने वाली परीक्षाओं की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। दरअसल, रेलवे भर्ती बोर्ड के गैर–तकनीकी लोकप्रिय श्रेणी यानी एनटीपीसी की पहले चरण की परीक्षा के परिणाम को लेकर बिहार व उत्तर प्रदेश के छात्र नाराज हैं। वैसे सवाल उठाया जा रहा है कि 14 जनवरी को घोषित परीक्षा परिणामों को लेकर 24 जनवरी को आंदोलन क्यों हुआ। यह भी कि आंदोलन बिहार व उत्तर प्रदेश में ही क्यों हुआ। दरअसल, रेलवे की इन नौकरियों के लिये वर्ष 2019 में आवेदन मांगे गये थे। उसी वर्ष सितंबर माह में ये परीक्षाएं आयोजित होनी थीं। इसमें विलंब हुआ और दिसंबर 2020 और जुलाई 2021 में देशभर में पहले चरण की भर्ती परीक्षा आयोजित की गई जिसके परीक्षा परिणाम 14 जनवरी को घोषित हुए। दरअसल, ग्रुप सी–लेवल–1 के लिये वर्ष 2019 में एक लाख नौकरियों हेतु आवेदन मांगे गये थे। इसके लिये करीब एक करोड़ पंद्रह लाख आवेदन मिले। इतनी बड़ी संख्या में आवेदकों के आवेदन की वजह से भी परीक्षा आयोजन में व्यवधान उत्पन्न हुआ जिसके चलते पहले चरण की परीक्षा 23 फरवरी 2022 को आयोजित होनी थी, जिसे अब टाल दिया गया है। आवेदकों की संख्या को देखते हुए रेलवे ने परीक्षा को अब दो चरणों में करवाने का फैसला किया है। ये परीक्षाएं लेवल दो से लेवल छह तक विभिन्न पदों के लिये होनी थीं। एक विसंगति यह है कि एनटीपीसी परीक्षा के कुछ पदों के लिये शैक्षिक योग्यता बारहवीं पास है तो कुछ के लिये स्नातक है। जिन परीक्षाओं के लिये न्यूनतम योग्यता बारहवीं पास है, उसमें स्नातक योग्यता वाले आवेदकों ने भी आवेदन किया है। इससे पहली श्रेणी वाले आवेदकों को लगता है कि उनके लिये नौकरी की संभावना कम हो जायेगी। रेलवे ने विज्ञापन में कहा था कि पहले चरण में रिक्त पदों के बीस गुना छात्रों को पास किया जायेगा, जिससे दूसरे चरण में ज्यादा आवेदकों को जगह मिल सकेगी। छात्रों को लगता है कि एक ही आवेदक के कई पदों के लिये चयनित होने से प्रथम चरण में चयनित छात्रों की संख्या कम हो जायेगी।

बजट में सेल्फी कर की व्यवस्था

सौरभ जैन

बारिश के पहले तूफान का आना, बसंत के पहले पतझड़ का होना आदि प्राकृतिक घटनाएं हैं, लेकिन बजट पूर्व न्यूज चौनलों की सनसनी हैडलाइन वर्तमान समय का कृत्रिम आविष्कार है। आम आदमी बजट पारित होने से पहले ही चौनलों के पूर्वानुमानों और बहसों से ही भयभीत हो जाता है। यूं तो देश का एक ही वित्तमंत्री होता है, लेकिन यहां जितने भी चौनल हैं उतने एंकर वित्तमंत्री की भूमिका निभाते नजर आते हैं। नए वित्त बजट के स्वागत की सरकार से बेहतर तैयारी न्यूज एंकरों ने कर रखी है। ये ब्यूटी प्रॉडक्ट के महंगे होने की संभावना मात्र के चलते सौंदर्य प्रॉडक्ट महंगे होने से बदसूरती के बढ़ते प्रभावों का अध्ययन संपूर्ण विश्लेषण के साथ कर देते है। यह सब तो बजट के पहले का ट्रेलर होता है असली पिक्चर तो बजट के बाद शुरू होती है।

यहां हर बरस बजट में कुछ बातें स्थायी होती हैं। कोई भी सत्ता हो, सत्ता वाले नेता अपने बजट को क्रांतिकारी बताने के लिए बजट पारित होने से पहले ही अपने बयान तैयार करके रखते हैं। बजट चाहे उबासी वाली रचनाओं की पुस्तक ही क्यों न हो लेकिन उनके जिम्मे उसे बेस्ट सेलर घोषित करवाना होता है। राजकोषीय घाटे की समझ न रखने वाले नेता भी बजट ओपिनियन में हिस्सा लेते पाये जाते हैं। इसके विपरीत विपक्ष, चाहे कितना ही अच्छा बजट हो उसका विरोध ही करता है। यदि बजट भाषण में कोई शायरी न हो तो विपक्ष के नेता वाह–वाह कैसे कर सकते हैं! वहीं आम आदमी अखबार में बस क्या सस्ता, क्या महंगा कॉलम में वस्तुओं के नाम पढ़ता है। देश इस दौर में स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा होता है, चाय की नुक्कड़ से लेकर पान की गुमटियों तक आर्थिक नीति विशेषज्ञ अपनी महानता को सिद्ध करते नजर आते है। जितनी आस्ट्रेलिया की जनसंख्या नहीं है उससे अधिक अर्थशास्त्री हमारे यहां बजट पारित होने के बाद जन्म ले लेते हैं। असल में यही बजट की उपलब्धि होती है। बजट देश में अचानक से बुद्धिजीवियों की बाढ़ ला देता है, यह वे बुद्धिजीवी होते हैं, जिनके आगे अर्थशास्त्र भी अपने हथियार डाल देता है। नजारा हसीन तब होता है जब बेरोजगार युवा आयकर की सीमा पर अपने विचार रखते पाए जाते हैं। न्यूज रिपोर्टर जवाब भी उन्हीं से लेते हैं, जिनका खबरों से कोई संबंध नहीं होता।

देश में एक बार फिर नए टैक्स और नई छूट के अनुमानों का बाजार गर्म है। कोई नया कर लगा दिया तो क्या होगा? जैसे सवाल भी परेशान कर रहे हैं। लोगों को यह समझना होगा कि टैक्स के नाम पर लगाने को अब कुछ न बचा है। सरकार के पास सिर्फ सेल्फी पर कर लगाने का उपाय ही शेष है। सोचो, यदि ऐसा हुआ तो लोग वाह करेंगे या लोगों की आह निकल जायेगी!

जारा के हौसलों ने नाप दी दुनिया

इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि ऊपर से सारे आंकड़े ठीकठाक दिखते रहेंगे। लेकिन अर्थव्यवस्था के इंजन की भूमिका निभाने वाला भारत का बाजार और इसका भविष्य, दोनों इस बीच बुरी तरह सिकुड़ते जाएंगे। ग्रोथ हकीकत में रुग्ण अमीरी के द्वीपों की होगी, जिसे कुछ मायनों में शर्केंसरस ग्रोथश समझना ही उचित होगा। इसलिए बीमारी के नरम पडने के बाद सरकार का पहला काम यह होना चाहिए कि वह ...

अरुण नैथानी

आमतौर पर भारत में जिस उम्र में बेटियां पढ़ाई पूरी कर करिअर की दिशा तलाश रही होती हैं, उस छोटी–सी उम्र में बेल्जियम की जारा रदरफोर्ड ने पूरी दुनिया का चक्कर लगा दिया। वह भी अकेले अपने छोटे से हवाई जहाज से। उसने दुष्यंत के कथन को सार्थक कर दिया कि तबीयत से पत्थर उछालो तो आसमान में भी छेद हो सकता है। जारा विश्व में सबसे कम उम्र में दुनिया का चक्कर लगाने वाली महिला बन गई हैं। मगर पांच माह का यह सफर कम खतरों से भरा नहीं था। कहीं रक्त जमाती ठंड, कहीं ज्वालामुखी के ऊपर से उडना, कहीं ठहरी तो भूकंप के झटकों से हिल गई। मगर खतरों की यह खिलाड़ी थमी नहीं। मौसम की खराबियों से उसका तीन माह का सफर तब पांच माह में पूरा हुआ जब वह पिछले दिनों बेल्जियम के कॉर्टिज्क–वेवेलगेम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी, जहां उसके परिवार व देशवासियों ने उसका जोरदार स्वागत किया। महज उन्नीस साल की उम्र में अकेले दुनिया घूमने वाली पायलट जारा तमाम झंझावातों से गुजरते हुए इस मुकाम तक पहुंची। कई बार तो उसे लगा कि अब जीवन खत्म होने को है। वह बर्फीले बियाबान इलाकों में फंसी। एक महीने उसे अलास्का के नोम और करीब इकतालीस दिन रूस के अयान में बर्फीले तूफान के कारण फंसना पड़ा। वहीं एक बार तूफान के चलते कोलंबिया में रुकना पड़ा तो कहीं नौकरशाही की जटिलताओं से वीजा की दिक्कतों के कारण फंसना पड़ा। बेहद हल्के शार्क यूएल अल्ट्रालाइट स्पोर्ट प्लेन के जरिये अपने भारी–भरकम इरादों को पूरा करने के लिये निकली जारा ने आखिर अपने जुनून को हकीकत में बदला। वह पांच महीनों में पांच महाद्वीपों की यात्रा पूरी कर पायी। उसने करीब 51 हजार किलोमीटर का सफर बावन देशों से गुजर कर पूरा किया। वह 18 अगस्त, 2021 को अपने इस जुनून भरे सफर पर निकली थी। जारा कहती है कि यह अनुभव रोमांचित करने वाला था। वह अलास्का में मौसम खराब होने के कारण फंसी। पूर्वी रूस में तूफान आने के कारण उलझकर रह गई। आइसलैंड में ज्वालामुखी की चुनौती का सामना किया। साइबेरिया व उत्तरी कोरिया के हवाई स्पेस से निकलते हुए लगा कि कहीं जीवन खत्म न हो जाये। इस दौरान उत्तरी कोरिया मिसाइल परीक्षण कर रहा था, लेकिन किसी तरह की चेतावनी नहीं दी थी। इस यात्रा में पृथ्वी के दो विपरीत सिरों को छूने की जिद में वह इंडोनेशिया के जांबी और कोलंबिया के टुमाको में उतरी। इस तरह जारा ने अमेरिका की अफगान मूल की शाइस्ता वैस का वह रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो उसने तीस साल की उम्र में बनाया था। वैसे पुरुषों में यह रिकॉर्ड 18 साल के एक युवक का है। लेकिन पुरुष और महिलाओं की उम्र का जो फासला पहले ग्यारह साल का था, उसे जारा ने महज ग्यारह महीने का कर दिया।

दरअसल, जारा रदरफोर्ड पायलट मां–बाप की बेटी है। ऊंची उड़ान के सपने उसने बचपन में ही देखने शुरू कर दिये थे। ब्रिटेन में हैंपशायर के एक स्कूल में जारा ने प्रारंभिक पढ़ाई की, लेकिन उसका परिवार बेल्जियम में रहता है। उसने चौदह साल की उम्र में हवाई जहाज उड़ाने का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। वर्ष 2020 में ही उसे पायलट का लाइसेंस मिला और 2021 में वह विश्व जीतने निकल पड़ी। अब उसका सपना एक सफल अंतरिक्ष यात्री बनने का है। वह कहती है कि उसकी यह सफल उड़ान निश्चय ही महिलाओं को विज्ञान, तकनीक और हवाई क्षेत्र में उम्दा करने के लिये प्रेरित करेगी। वह कहती है कि आमतौर पर लड़कियों से उम्मीद की जाती है कि वे सुंदर बनें, दयालु बनें तथा दूसरों की सहायता करने वाली बनें, लेकिन मैंने सिद्ध किया कि यदि मौका मिले तो वे अपनी तमाम महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर सकती हैं। प्रफुल्लित जारा मानती है कि यह अनुभव उद्वेलित करने वाला था। हालांकि, राह में बाधाएं कम न थीं। खासकर साइबेरिया की ठंड में, जहां यदि इंजन बंद हो जाता तो बचना मुश्किल था। लेकिन इसके बावजूद हमें रोमांच की राह चुनने से कतराना नहीं चाहिए। वह कहती है कि इस यात्रा का एक मकसद है कि लड़कियां विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग व गणित के क्षेत्र में अपना भविष्य तलाशें।

जारा की इस यात्रा के लिये परिवार व प्रायोजकों का भरपूर साथ मिला। उनके स्कूल ने भी उनका मनोबल बढ़ाया। वहीं शार्क अल्ट्रालाइट विमान बनाने वाली स्लोवानिया की कंपनी शार्क ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह जारा के नाम कई रिकॉर्ड बन गये हैं। वह सबसे छोटी उम्र की अकेली दुनिया का सफर तय करने वाली पहली महिला के रूप में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गई हैं। वह विमान से दुनिया घूमने वाली बेल्जियम की पहली नागरिक भी बन गई हैं लेकिन यह यात्रा इतनी आसान भी नहीं थी। साइबेरिया में एक समय वहां का तापमान सतह पर माइनस 35 डिग्री व और हवा में माइनस 20 डिग्री था। इसी तरह इंडोनेशिया में खराब मौसम के कारण दो दिन रुकना पड़ा और टर्मिनल में ही सोना पड़ा क्योंकि वहां से बाहर निकलने के दस्तावेज नहीं थे। कैलिफोर्निया में जंगल की आग के धुएं में विमान उड़ाया, मैक्सिको में उनके विमान में खराबी आ गई, सिंगापुर में उनके विमान का टायर फट गया। उसे यह भी खला कि वह क्रिसमस व नये साल पर परिवार से दूर है। सफर में गाने सुनकर वह अपना मन बहलाती रही। सोशल मीडिया में अपने वीडियो पोस्ट करके अपने परिजनों के साथ जुड़ी रही।

शहादत दिवस पर विशेष

विचारधारा मे हमेशा जीवित रहेंगे महात्मा गांधी !

गांधी के जीवन के संस्कार अस्तेय, सत्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य से बने थे. गांधी कमोबेश इन्हें अपने जीवन में, अपने कर्म और दर्शन में हमेशा उतारने की कोशिश करते रहे. गांधी ने जब सन 1920 में अपनी पहली बड़ी राजनैतिक लड़ाई शुरू की, तब तक वे देश के पारंपरिक और कट्टर हिंदुओं के लिए भी, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता संघर्ष और अंग्रेजों के शासन से मुक्ति की आकांक्षा के साथ–साथ, उनकी ...

डा0श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

देश और दुनिया के लिए महात्मा गांधी उन महान व्यक्तित्वों में से एक थें जो अपने विश्वास पर हिमालय की तरह अटल और द्रढ रहते थे ससांर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि गांधी जी एक उत्तम व्यक्ति थें तो उन्हे क्यों मार डाला गया यह सवाल अनेक लोगों ने उठाया लेकिन इसका जवाब है कि कुछ लोग नही चाहते कि देश दुनिया में भले लोगो का वजूद कायम रहे इसी कारण कुछ सिरफिरे ऐसे महानतम लोगो के भी दुश्मन बन जाते है। महात्मा गांधी की यह भी विषेशता थी कि वह चाहे कही भी रहे और चाहे जिस तरह के काम व्यस्त हो लेकिन हर रोज सुबह सबसे पहले प्रार्थना जरूर करते थे। अपने देश के लोगों में भी महात्मा गांधी शीर्ष स्तर पर छाये रहे। वास्तव में यदि कोई सार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने में योग्य था तो वह सिर्फ और सिर्फ महात्मा गांधी थे। बहुत सी बातों में लोगों का गांधी जी से मतभेद हो सकता है और बहुत से लोग उनसे अधिक विद्वान हो सकते है परन्तु उनमें चरित्र व राष्ट्रभक्ति की जो महतता है उसके कारण वह सब लोगों के आदर्श बन गये थे। गांधी जी निसंदेह उस धातु के बने हुए है जिस धातु से शुरमा और बलिदानी लोगों का निर्माण होता हैं आत्मिक शक्ति के बल पर महात्मा गांधी विश्व भर में छाये रहे।लेकिन दुर्भाग्य है कि देश को आजाद कराने का प्रबल आधार स्तभ बने महात्मा गांधी के प्रति कृज्ञता अभिव्यक्त करने के बजाए कुछ लोग उनके हत्यारे को महिमा मंडित करने का निदंनीय प्रयास कर रहे है। ऐसे लोगो को देश कभी माफ नही करेगा।

विचारधारा की भिन्नता के कारण ही सिरफिरे नाथूराम गोड़से ने दुनिया को अहिंसा का संदेश देने वाले उस मोहनदास कर्मचन्द गांधी को मार डाला था,जिससे भारत ही नही पूरी दुनिया प्रभावित थी और आज भी जिसका प्रभाव बरकरार है।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने बारे में नही सोचा।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने परिवार के बारे में नही सोचा, एक ऐसा गांधी जिसने कभी किसी पद या कुर्सी की चाहत नही की।जिसे पूरी दुनिया आज भी श्बापूश के रूप में सम्मान दे रही है,उस महान शख्सियत की गोलियों से भून कर हत्या हो जाना ,यह प्रमाणित जरूर करता है कि उस समय भी और आज भी हिंसा ने अहिंसा को बर्दाश्त नही किया है।ये दो धारायें आज भी एक दूसरे से समय समय पर टकराती है तो गांधी याद आते है। श्गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है। श दलाई लामा के ये शब्द आज भी गांधी के प्रेरक व्यक्तित्व का दर्पण है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति बराकओबामा के शब्दों में,श अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है।श वही रबिंद्रनाथ टैगोर का विचार रहा कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं। आखिर और कौन है, जो इतनी सहजता से इस बड़े वर्ग को अपना रहा है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की सोच रही कि इस देश में जो लौ महात्मा गांधी के रूप में रोशन हुई, वह साधारण नहीं थी। यह लौ आने वाले हजारों सालों तक भी राह दिखाती रहेगी। लॉर्ड माउंटबेटन कहते थे कि इतिहास में महात्मा गांधी को गौतम बुद्ध और ईसा मसीह के बराबर देखा जाएगा।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दो में,दो अक्तूबर को पोरबंदर में एक व्यक्ति ने जन्म नहीं लिया था बल्कि एक युग की शुरुआत हुई थी। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है कि वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कहती है ,श्महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा,सत्यता,राष्ट्रभक्ति की राह दिखाई,सचमुच वे एक महान आत्मा थे।श्आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी की गिनती नरम नेता के रूप में होती थी।लेकिन उक्त आन्दोलन के गरम दल के नेता भी उनका उतना ही सम्मान करते थे जितना नरम दल के लोग उनका आदर भाव करते थे। गरम दल के नेता के रूप में चर्चित रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोश भी उन्हे अपना नेता मानते थे। यही गांधी जी की अहिंसा की सबसे बडी कामयाबी थी। बैरिस्टर सम्मानजनक व्यवसाय को छोडकर देश के लिए वे आजादी के आन्दोलन में कूद पडे थे। उनका एक ही नारा था कि जैसे भी हो हम हथियार नही उठायेगे और बिना हथियार ही भारत मां को आजादी दिलायेगें। इसके लिए उन्होने स्वयं भी अंग्रेजो की लाठिया खायी और उन्हे बहुत सी यातना भी सहन करनी पडी। लेकिन देश की खातिर उन्होने कभी पीछे मुड़कर कर नही देखा।

अहिंसा के पुजारी मोहन दास कर्मचन्द गांधी जिन्हे सम्मान से बापू या फिर महात्मा गांधी कहते है,का दुनियाभर में आज भी उनकी विचारधारा रूप में नाम है और हमेशा रहेगा।श देदी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमालश पंक्तिया चरितार्थ कर दिखाने वाले बापू के प्रति दुनियाभर के लोगों ने भरपूर सम्मान प्रकट किया है।

करोडों देशवासी उन्हे महान सन्त मानते थे। लक्ष्य साधन में उनकी सच्चाई और निष्ठा पर उंगली नहीं उठाई जा सकती थी। महात्मा गांधी के जीवित रहने से सारा संसार सम्पन्न था और उनके निधन से दुनिया भर को लगा कि पूरा संसार ही विपन्न हो गया है। गांधी के परामर्श देश के लिए सदा सहायक सिद्ध हुए।जिनके बल पर देश को आजादी प्राप्त हुई। महात्मा गांधी एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने बल प्रयोग का सदा विरोध किया। वे बुद्धिमान नम्र, द्रढसंकल्पी और निश्चय के धनी थे।सच तो यह है कि आधुनिक इतिहास में किसी भी एक व्यक्ति ने अपनी चरित्र की वैयक्तिक शक्ति, ध्येय की पावनता और अंगीकृत उद्देश्य के प्रति निस्वार्थ निष्ठा से लोगों के दिमागों पर इतना असर नहीं डाला, जितना महात्मा गांधी का असर दुनिया पर हुआ था।

गांधी के जीवन, धर्म, राजनीति, चिंतन में, स्वतंत्रता संघर्ष में या कह लें कहीं भी, उनका हर क्षण धर्म से प्रच्छन्न था. उसी से प्रेरित–निर्देशित था. उनके पास धर्मविहीन या धर्म से परे कुछ भी नहीं था. गांधी का यह धर्म, उनके व्यक्तिगत जीवन में असंदिग्ध रूप से हिंदू था और अन्य दूसरे धर्मों के प्रति पूरी तरह सहिष्णु और विनीत था. इस धर्म का श्ईश्वरश, इसकी श्आध्यात्मिकताश, श्आत्माश और श्नैतिकताश उनकी अपनी गढ़ी हुई या चुनी गई परिभाषाओं से तय होती थी. उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली और आचरण से परिभाषित होती थी.

पुण्य तिथि पर महात्मा गांधी को किया नमन्

बस्ती। राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी को उनके 74 वीं पुण्य तिथि पर याद किया गया। रविवार को सोशल क्लब अध्यक्ष अमर सोनी के संयोजन में क्लब सदस्यों, समाजसेवियों ने गांधी कला भवन स्थित बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया। सोशल क्लब अध्यक्ष अमर सोनी ने कहा कि 30 जनवरी 1948 को महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई किन्तु उनके विचार आज समूचे विश्व को प्रेरणा दे रहे हैं। बापू के विचार सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। मण्डल अध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश को आजाद कराने में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यह किसी ने नहीं सोचा था कि आजाद भारत में उनकी हत्या कर दी जायेगी। उनकी प्रासंगिकता युगों तक बनी रहेगी। क्लब संरक्षक अरविन्द श्रीवास्तव गोला ने कहा कि महात्मा गांधी व्यक्ति नहीं वरन विचार हैं। भारत सहित पूरी दुनियां उनके बताये शांति, अहिंसा, प्रेम का अनुसरण करे तो अनेक समस्याओं का स्वतः समाधान हो जाय। बापू को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से सूर्यभान कुमार, राकेश चौरसिया, रमेश गुप्ता, दिनेश पाण्डेय, दिनेश गुप्ता, दीपक गौड़, अनुराग श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 4 लाख 50 हजार वसूलने का आरोपः मुकदमा दर्ज

बस्ती। नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख पचास हजार रूपये लेने और बाद में मुकर जाने का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के ताडीजोत निवासी रजनीश कुमार पाण्डेय पुत्र संजय कुमार पाण्डेय ने कोतवाली थाने में ओरीजोत निवासी दिवाकर सोनकर पुत्र राम प्रसाद सोनकर के विरूद्ध भादवि की धारा 420 और 406 के तहत नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली पुलिस को दिये तहरीर में रजनीश कुमार पाण्डेय ने कहा है कि वह लखनऊ में रहकर मेडिकल की पढाई करता है और बस्ती आना जाना लगा रहता है। इस दौरान उसका परिचय ओरीजोत निवासी दिवाकर सोनकर से हुआ। उसने नौकरी दिलाने के नाम पर कुल चार लाख पचास हजार रूपये लिया। अलग–अलग स्थानों पर एक लाख 50 हजार नकद एवं तीन लाख रजनीश ने खाते से दिया। रजनीश के अनुसार बाद में दिवाकर नौकरी दिलाने से मुकर गया और पैसा मांगने पर झूठे मुकदमें में फंसा देने की धमकी देने लगा।

शहीद दिवस के अवसर पर याद किये गए बापू, जिलाधिकारी ने दी श्रद्धांजलि

देवरिया। शहीद दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में रविवार को जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान बापू के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा गया। जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम में बापू के योगदान पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बापू की पुण्यतिथि को हर साल शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अमृत लाल बिंद, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) नागेंद्र कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) कुंवर पंकज सहित विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला की बदमाशों ने कनपटी से सटाकर मारी गोली, सिर के हुए चीथड़े

गोरखपुर। गीडा इलाके के कैली गांव में एक 40 वर्षीय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बदमाशों ने उसकी कनपटी से सटाकर गोली मारी थी जिससे उसके सिर का ऊपरी हिस्सा उड़ गया है। उसके गले में भी धारधार हथियार से रेते जाने के जख्म हैं। सुबह उसकी लाश घर में बिस्तर पर खून से लथपथ हालत में मिली। घटना गीडा इलाके के कैली गांव की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। उसकी हत्या किसने और क्यों की? इसका अभी कुछ पता नहीं चल सका है। घटनास्थल पर एडीजी डीआईजी एसएसपी एसपी नॉर्थ कैंपियरगंज थाना प्रभारी गीत फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर जांच शुरू की। कैली गांव निवासी महिलाः खाना खाने के बाद महिला रात में सोने चली गई थी। सुबह बेटा उठा तो मां की खून से लथपथ लाश बिस्तर पर पड़ी थी।

बरामदे में सो रही थी महिला

हरिनाथ की बेटी संजू की शादी कैली गांव के राजेश से हुई थी। राजेश दिल्ली में रहकर पेंट–पॉलिश का काम करता है। संजू के साथ घर में उसका बड़ा बेटा सोनू (19), छोटा बेटा सुनील (12), बेटी खुशबू (15), बहू अंजू (18) और पौत्री अंशिका (1) रहती है। रात में सभी लोग खाना खा कर सो गए।

बड़ा बेटा, बहू, बेटी घर के अंदर सोए थे। महिला बरामदे में सोई थी। उसके बगल में छोटा बेटा सुनील सोया था। सुबह जब ये लोग सोकर उठे तो महिला मृत पड़ी थी। पुलिस जमीनी रंजिश, आशनाई, लेनदेन को लेकर हत्या के बिंदुओं पर जांच कर रही है

सीओ कैम्पियरगंज अजय सिंह ने बताया कि गोली मारकर हत्या की गई है। घर में उसकी बहू और बेटे भी थे। वे भी रात में सोए थे। परिवार वालों से भी पूछताछ की जा रही है। आखिर गोली मारी गई तो किसी को भनक कैसे नहीं लगी। उधर, गांव वाले भी गोली की आवाज न सुनाई देने की बात कह रहे हैं।पुलिस मौके पर जांच पड़ताल कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मृतका संजू के बगल में चारपाई लगाकर उसका 12 साल का बेटा सुनील भी सोया था। उसने रात में कोई आवाज नहीं सुनी। सुबह 9 बजे जब वह उठा तो मां की लाश देखी। इसके बाद शोर मचाया और ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। बेटे का कहना है कि हम रात में खाना खाकर सोए थे।परिवार वालों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पड़ोस के दो लोगों को पूछताछ ले लिए उठाया है।

परिवार वालों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पड़ोस के दो लोगों को पूछताछ ले लिए उठाया है।

बेटे ने की थी लव मैरिज

फिलहाल घटना की सूचना पर एडीजी अखिल कुमार डीआईजी जे रविन्द्र गौड प्रभारी एसएसपीध्एस पी सिटी सोनम कुमार,एसपी नॉर्थ मनोज अवस्थी सीओ कैम्पियरगंज अजय सिंह गीडा थानेदार विनय सरोज फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचकर जांच कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने पड़ोस के दो लोगों को पूछताछ ले लिए उठाया है। मृतका के बड़े बेटे सोनू ने लव मैरिज की है। पुलिस का कहना है कि बेटे और बहू से भी पूछताछ की जा रही है। लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है बहुत ही जल्द हत्यारे पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

रेल संरक्षा आयुक्त ने किया विद्युतीकृत का निरीक्षण

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल पर आजमगढ़–शाहगंज खंड के विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो जाने पर कल रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर पूर्व सर्किल मोहम्मर लतीफ खान ने मुख्य प्रषासनिक अधिकारीधनिर्माण राजीव कुमार, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर ए.के.शुक्ला, मंडल रेल प्रबन्धाकध्वाराणसी रामाश्रय पाण्डेय एवं वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ इस विद्युतीकृत का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के आरम्भ में रेल संरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफ खान ने आजमगढ़ स्टेषन के निरीक्षण के दौरान विद्युतीकृत रेल खंड के मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, न्यूट्रल सेक्षन, पावर सब स्टेषन, स्टेषन वर्किग रूल, स्टेषन पैनल, पैदल उपरिगामी पुल, प्लेटफार्म क्लीयरेन्स, प्वाइंट क्रासिंग सिगनल, ओवर हेड ट्रैक्षन की ऊँचाई, ब्लॉक ओवर लैप, फाउलिंग मार्क, सैन्ड हम्प, पैनल इंटरलॉकिंग, फीडर पावर सप्लाई वितरण प्रणाली एवं नियंत्रण फीडर, आईसोलेषन आदि की गहन जांच की। स्टेषन के निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने सभी कार्यों को विद्युतीकरण मानक के अनुरूप पाया। आजमगढ़–फरीहा ब्लॉक सेक्षन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने किमी. 48ध्19–20 पर ओवर हेड विद्युत लाइन का क्रासिंग का परिमापन किया। इसी क्रम में किमी. 57ध्9 पर फरीहा स्टेषन का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने विद्युतीकृत रेल खंड के मानक के अनुरूप यार्ड प्लान, न्यूट्रल सेक्षन, पावर सब स्टेषन, स्टेषन वर्किग रूल, स्टेषन पैनल, प्लेटफार्म क्लीयरेन्स, प्वाइंट क्रासिंग सिगनल, ओवर हेड ट्रैक्षन की ऊँचाई एवं पावर डिस्ट्रीब्यूषन एवं विफलता की स्थिति में किये जाने वाले कार्यों को परखा। किमी. सं. 64ध्3–5 पर इंटरलॉक्ड समपार सं. 46 बी. का निरीक्षण किया तथा गेटमैन का विद्युतीकृत खंड पर कार्य ज्ञान का परीक्षण किया।

रेल संरक्षा आयुक्त ने किमी. सं. 67ध्09 से 68ध्05 के मध्य कर्व सं. 07 का इंडेन्ट मापा एवं ओवर हेड लेवलिंग तथा अभिकेन्द्र त्वरण का परीक्षण किया। उन्होंने किमी. सं. 68ध्11–13 पर सरायमीर स्थित पावर सब स्टेषन पर पावर सप्लाई, पावर डिस्ट्रीब्यूषन, अर्थिक एवं आपात स्थिति में प्रबन्धन का परीक्षण किया।

समपार सं. 55 सी. का निरीक्षण कर रेल खंड का अनुरक्षण करने वाले इंजीनियरिंग गैंग का संरक्षा ज्ञान परखा और विद्युतीकृत रेल खंड पर संरक्षित एवं सुरक्षित ढ़ग से कार्य करने हेतु आवष्यक निर्देष दिया। रेल संरक्षा आयुक्त श्री खान ने खुरासन रोड रेलवे स्टेषन पर विद्युतीकृत रेल खंड मानक के अनुरूप सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के अन्त में रेल संरक्षा आयुक्त ने शाहगंज स्थित पावर सब स्टेषन पर पावर सप्लाई, पावर डिस्ट्रीब्यूषन, अर्थिक एवं अन्य कार्यों का परीक्षण किया।

उन्होंने आजमगढ़–शाहगंज विद्युतीकृत खंड के निरीक्षण के दौरान ब्लॉक खंड में समपारों से ओवर हेड के उचित दूरी कर्वेचर के इंडेन्ट एवं अन्य मानकों का संस्थापन सुनिष्चित किया। शाहगंज रेलवे स्टेषन पर विद्युतीकरण के मानकों के अनुरूप क्रास ओवर लाइन, विद्युत कर्षण लाइन फिटिग्स, ओवर हेड ट्रैक्सन आदि का सूक्ष्मता से जांच की।

इस खंड पर विद्युत स्पीड ट्रायल किया गया। निरीक्षण के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया। आमजन से अपील है कि इस विद्युतीकृत खंड के ट्रैक एवं ओवर हेड लाइन से पर्याप्त दूरी बनाये रखें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिनेशचन्द्र के पुत्र शौरभ श्रीवास्तव सहित कई लोगो ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

गोरखपुर । भारतीय जनता पार्टी परिवार में रविवार को पूर्व में नगर विधान सभा कांग्रेस प्रत्याशी रहे ,गोरखपुर विश्वविद्यालय

छात्रसंघ पूर्व अध्यक्ष रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री दिनेशचन्द्र श्रीवास्तव जी के पुत्र युवा नेता सौरभ श्रीवास्तव ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ मोदी जी एवं पूज्य योगी जी की नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर क्षेत्र के यशस्वी अध्यक्ष डा.धरमेन्द्र एवं महानगर के अध्यक्ष राजेश गुप्ता के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया।

सदस्यता ग्रहण करने वाले मे सौरभ श्रीवास्तव कांग्रेस नेता पुत्र दिनेश चंद श्रीवास्तव (पूर्व अध्यक्ष छात्रसंघ गोरखपुर विश्वविद्यालय) , दीपक सिंह पूर्व प्रधान सेवई बाजार, अनुपम अग्रवाल, वासिक हुसैन, अभिनव द्विवेदी, राहुल द्विवेदी , वैभव श्रीवास्तव, चंदन चतुर्वेदी, देवेंद्र निषाद , अतुल सिंह , ऋषभ , अमन , प्रिंस, संतोष श्रीवास्तव, इंजीनियर अजय श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, विशाल यादव ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया।

पचास हजार रुपये से अधिक की नकद धनराशि लेकर चलने पर साथ रखे साक्ष्य

दस लाख से अधिक की जब्त की गई धनराशि होगी आयकर विभाग के सुपुर्द

देवरिया। विकास भवन के गांधी सभागार में विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत व्यय अनुवीक्षण समिति, फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्थैतिक निगरानी टीम, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, वीडियो निगरानी टीम के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी टीमों को चुनाव से जुड़ी बारीकियों और उनके दायित्वों के संबंध में विस्तार–पूर्वक अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारीध एडीएम (प्रशासन) कुँवर पंकज ने बताया कि कोई व्यक्ति चुनाव के दौरान पचास हजार रुपये की सीमा में नकद धनराशि लेकर चल सकता है। इससे अधिक की धनराशि नकद लेकर चलने पर व्यक्ति को साक्ष्य एवं उचित कारण बताना होगा। उन्होंने बताया कि किसी राजनीतिक दल के पदाधिकारी एक लाख रुपये की सीमा में नकद धनराशि लेकर चल सकते हैं, बशर्ते उन्हें पार्टी के कोषाध्यक्ष द्वारा प्रमाणपत्र दिया गया हो। उन्होंने बताया कि बिना उचित कारण एवं साक्ष्य के दस लाख रुपए से अधिक की धनराशि लेकर चलने पर पूरी धनराशि जब्त कर तत्काल आयकर विभाग के सुपुर्द की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फ्लाइंग स्क्वायड एवं एसएसटी टीमें संपूर्ण जांच प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग करेंगी और बरामद सामग्री को समय, स्थान का उल्लेख करते हुए संक्षिप्त विवरण के साथ सील करेंगी। जिस व्यक्ति की धनराशि जब्त की जा रही है, उसे एक रिसिविंग देंगे तथा जब्त की गई धनराशि को कोषागार में नियमानुसार जमा कराएंगे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने बताया की शादी–विवाह सहित विभिन्न सामाजिक आयोजनों पर भी फ्लाइंग स्क्वायड को निगाह रखने की आवश्यकता है। यदि किसी सामाजिक आयोजन में कोई प्रत्याशी अपना प्रचार–प्रसार करता पाया जाता है तो शादी समारोह का संपूर्ण व्यय प्रत्याशी के चुनाव खर्च में जोड़ने का प्रावधान है। वीडियो सर्विलांस टीम और फ्लाइंग स्क्वायड टीम रैली, सभा और चुनाव प्रचार पर पैनी निगाह रखेंगी और आदर्श आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि जनपद की सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में फ्लाइंग स्क्वायड टीमें 8–8 घंटे के तीन शिफ्ट में काम करेंगी और एमसीसी के उल्लंघन की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करेंगी।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान नगर पालिका के ईओ रोहित सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार, जिला सूचना अधिकारी शांतनु श्रीवास्तव सहित व्यय अनुवीक्षण समिति, फ्लाइंग स्क्वायड टीम, स्थैतिक निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, वीडियो निगरानी टीम एवं लेखाकरण टीम के सदस्य उपस्थित थे

नकद धनराशि ले जाते समय बरते सावधानीः उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुँवर पंकज ने बताया कि चुनाव के दौरान मतदाताओं को धन वितरण रोकने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष चौकसी बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि कोई एटीएम से पैसा निकालता है तो एटीएम की पर्ची अपने पास रखे। यदि पर्ची नहीं निकल रही है तो वह मोबाइल पर आए मैसेज को प्रूफ के तौर पर सहेज कर रखें। बैंक से रकम निकालने के बाद विड्रॉल की फोटो कॉपी रखे। व्यक्ति अपनी अपडेटेड पासबुक भी रख सकते हैं। यदि किसी फर्म या कारोबारी से लेनदेन से संबंधित रकम है तो सभी आवश्यक वैध डॉक्युमेंट उपलब्धा कराने होंगे।

जब्त की गई सामग्री की वापसी के लिए कहां करे अपील

यदि जांच के दौरान किसी व्यक्ति के पास से नकद धनराशि अथवा किसी अन्य प्रकार की सामग्री जब्त की जाती है तो वह तीन सदस्यीय समिति के समक्ष अपील कर सकता है। मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) तथा वरिष्ठ कोषाधिकारी की समिति प्रत्यावेदन पर नियम सम्यक विचार करने के उपरांत धनराशिध्सामग्री वापसी की दिशा में कार्यवाही कर सकती है। वोट के लिए पैसा देना और लेना दोनों है दंडनीय अपराधभारतीय दंड संहिता की धारा 171 (ख) और 171 (ग) के अनुसार चुनाव के दौरान वोट प्राप्त करने के उद्देश्य से धन एवं अन्य सामग्रियों का वितरणध्प्राप्त करना दंडनीय अपराध है। इसके लिए जुर्माना अथवा 1 वर्ष तक की सजा अथवा दोनों का प्रावधान है।

मोबाइल टावरों से बैटरी चोरी करने वाले अन्तर्जनपदीय गैंग का पर्दाफाश, गैंग के 02 सदस्य गिरफ्तार, लगभग रुपये 04 लाख की 19 अदद चोरी की बैटरियां बरामद

संत कबीर नगर। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, अखिल कुमार पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र, राजेश मोदक के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक जनपद संतकबीरनगर डा0 कौस्तुभ के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अंशुमान मिश्रा के नेतृत्व में जनपद संतकबीरनगर मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान जनपद में चोरी जैसी घटनाओं के सफल अनावरण हेतु 'प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद विजय नरायन प्रसाद प्रभारी स्वॉट उ0नि0 धर्मेन्द्र सिंह तथा सर्विलांस सेल टीम के नेतृत्व में रात्रि में टावरों से कीमती बैट्री चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफाश कर उल्लेखनीय कार्य किया गया है । दिनांक 20.01.2022 की रात्रि थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जोरवा स्थित मोबाईल टावर से 24 अदद बैटरी चोरी होने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 71ध्2022 धारा 461 भा0द0वि0 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम पंजीकृत किया गया था । जिसके सम्बन्ध में प्रभारी स्वॉट उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार सिंह, प्रभारी चौकी नवीन मंडी थाना कोतवाली खलीलाबाद उ0नि0 रजनीश राय तथा सर्विलांस सेल के का0 प्रदीप कुशवाहा मय टीम द्वारा कसरौल ओवर ब्रिज के नीचे से योजनाबद्ध तरीके से टावरों की कीमती बैटरियों को चोरी करने वाले शातिर गिरोह के दो सदस्यों राहुल यादव पुत्र धर्मराज यादव व अकील (छोटे कबाड़ी) पुत्र बन्ने को गिरफ्तार किया गया । उक्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी के उपरान्त उनकी निशानदेही पर केशव ट्रेडर्स गोदाम, ट्रांसपोर्ट नगर, गोरखपुर से विभिन्न जनपदों के अनेक टावरों से चोरी की 19 अदद बैटरी बरामद की गयी तथा अभियुक्तों की जामातलाशी से बैटरियों को बेचने के उपरान्त बचे हुए 9000 रु0 नकद बरामद किया गया । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगणों के कब्जे से बरामदशुदा चोरी के मुकदमें से सम्बन्धित माल के आधार पर जुर्म धारा 413ध्414ध्411 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है । आसपास के जनपदों से समन्वय स्थापित कर टावरों से बैटरी चोरी करने के सम्बन्ध में पंजीकृत अन्य अभियोगों की जानकारी प्राप्त की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तगणः– 1– राहुल यादव पुत्र धर्मराज यादव निवासी भवानी पुर बुदहट थाना हरपुर बुदहट जनपद गोरखपुर हाल मुकाम ग्राम भिलौरा थाना गीडा जनपद गोरखपुर । 2– अकील (छोटे कबाड़ी) पुत्र बन्ने निवासी तुर्कमानपुर थाना राजघाट जनपद गोरखपुर ।

'फरार अभियुक्तगण' – 1–सोनू सिंह पुत्र सोभा सिंह निवासी ग्राम भिलौरा थाना गीड़ा जनपद गोरखपुर । 2–सूरज हरिजन पुत्र फूलचन्द निवासी निवासी ग्राम भिलौरा थाना गीड़ा जनपद गोरखपुर । 3–रावण पाण्डेय उर्फ शेरू पुत्र बिरई निवासी निवासी ग्राम भिलौरा थाना गीड़ा जनपद गोरखपुर । 4–विकास गुप्ता पुत्र कंचन गुप्ता निवासी जवाहर चौक, नरायणपुर जनपद गोरखपुर । 5–मयंक आनन्द किशोर ट्रेडर्स के मालिक ट्रांसपोर्ट नगर गोरखपुर ।

कुल बरामदगी–1– भिन्न भिन्न समय व दिनांक में अलग अलग जगहों से उक्त गैंग द्वारा चोरी की गयी कुल 19 अदद बैटरिया (कीमत लगभग 04 लाख रुपया) माल मुकदमाती बरामद । 2– 9000 रुपये नकद बरामद । अभियुक्तों की गिरफ्तारी से आसपास के जनपदों में पंजीकृत अनावरण अभियोगों का विवरण' दृ 1– मु0अ0सं0 71ध्22 धारा 411ध्413ध्414 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद सन्तकबीरनगर । 2– मु0अ0सं0 18ध्22 धारा 461 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना लालगंज जनपद बस्ती । 3– मु0अ0सं0 32ध्22 धारा 380ध्461 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना मुण्डेरवा जनपद बस्ती । 4– मु0अ0सं0 118ध्21 धारा 461 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना हरपुर बुदहट जनपद गोरखपुर । 5– मु0अ0सं0 124ध्21 धारा 461 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना हरपुर बुदहट जनपद गोरखपुर । 6– मु0अ0सं0 497ध्21 धारा 380 भा0द0वि0 थाना खोराबार जनपद गोरखपुर ।7– मु0अ0सं0 405ध्21 धारा 461 भा0द0वि0 व 25 इण्डियन टेलीग्राफ अधिनियम थाना बांसगांव जनपद गोरखपुर । 8– मु0अ0सं0 459ध्21 धारा 379 भा0द0वि0 थाना चौरी चौरा जनपद गोरखपुर ।

संक्षिप्त विवरणः पूछताछ में अभियुक्तगणों ने बताया कि जनपद सन्तकबीरनगर और सीमावर्ती जनपद गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, बस्ती आदि जनपदों में टावरों से कीमती बैटरियों को बड़ी मात्रा में चोरी करके तथा उनको बेचकर अवैधा धन कमाकर जीवनयापन करना इस गैंग का मुख्य उद्देश्य है । इस गैंग का मुख्य सरगना सोनू सिंह पुत्र शोभा सिंह निवासी भीलौरा थाना गीड़ा जनपद गोरखपुर है जो टावरो से बैटरी चोरी कराने से पहले अपने गैंग के सभी सदस्यों द्वारा स्थान व रास्तों का चयन कर घूम घूम कर टावर की बैट्रियां चोरी करते है तथा माल बेचकर आपस में बराबर बांटकर अपनी जीविकोपार्जन करतें हैं । इसी क्रम रात्रि में खलीलाबाद कस्ब के समीप स्थित ग्राम जोरवा के पास बने ए0टी0सी0 के टावर से 24 बैट्री चोरी की गयी थी । इन बैट्रियों को 55 रूपये किलो की दर से विकास गुप्ता उपरोक्त के माध्यम से अकील उर्फ छोटे कबाड़ी तुर्कमान जनपद गोरखपुर व केशव ट्रेडर्स के मालिक मंयक आनन्द ट्रांसपोर्ट नगर गोरखपुर को बेचा गया है । इसके पूर्व में हम लोगों द्वारा रात्रि में जनपद बस्ती के लालगंज स्थित ग्राम सिसई पंडित के टावर से भी बैट्रियां चोरी की गयी थी व जनपद गोरखपुर के थाना हरपुर बुदहट क्षेत्र से बैट्रियां चोरी की गयी और कविशा टावर व माडापार (मदेपुर) जनपद गोरखपुर से व परसिय टावर से सतहवा के अलावा जनपद गोरखपुर के इस्लाम पुर, रामपुर चौक, जंगल सिकरी, सासापार, बनकटवा व पादरी बाजार से बैट्रियां चोरी की गयी थी तथा सोनबरसा बाजार से टावर से भी बैट्रियां चुराई गयी थीं इसके अतिरिक्त जनपद कुशीनगर, महाराजगंज देवरिया, सिद्धार्थनगर सहित विभिन्न स्थानों पर बैटरियां चोरी की गयी थी उन्हें हम लोगों द्वारा विकास कबाड़ी व छोटे कबाड़ी तथा केशव ट्रेडर्स को बेचा गया ।

'गिरफ्तारी करने वाली टीमः–

प्रभारी स्वॉट उ0नि0 धर्मेन्द्र कुमार सिंह, हे0का0 अनूप राय, हे0का0 विनोद यादव, मनोज कुशवाहा, का0 ऋषिवेद तिवारी, का0 रमेश यादव, का0 मुनीर अहमद, का0 अभिषेक सिंह ।

सर्विलांस सेल – का0 प्रदीप कुशवाहा, का0 अमरजीत मौर्य ।

थाना कोतवाली खलीलाबाद – उ0नि0 रजनीश राय, का0 पवन मद्देशिया, का0 हेमन्त कुशवाहा ।

30 जनवरी को शोक में डूब गया था सोनभद्र

दैनिक बृद्ध का संदेश

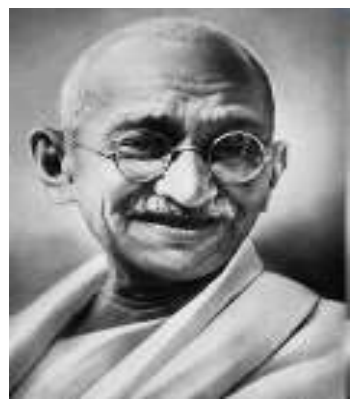

सोनभद्र। 30 जनवरी1948 को रात्रि में महात्मा गांधी की हत्या की समाचार रेडियो पर सुनकर सोनभद्र जनपद शोक में डूब गया था। अविभाजित जनपद मिर्जापुर का भूभाग वर्तमान सोनभद्र उस समय मिर्जापुर का दक्षिणांचल कहा जाता था। 1921 से लेकर सन 1947 तक महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए स्वाधीनता आंदोलन में इस क्षेत्र के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और स्वतंत्रता प्राप्ति का जश्न इस क्षेत्र के लोगों ने भी मनाया था। लेकिन 30 जनवरी 1948 को शाम को बिरला हाउस से प्रार्थना सभा से लौटते समय देश में स्वतंत्रता की अलख जगाने वाली राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर कर दी गई थी, रात्रि में इस समाचार का प्रसारण जब रेडियो पर हुआ तो स्थानीय जनता स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं आम नागरिकों ने नगर के टाउन एरिया अध्यक्ष, क्रांतिकारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बलराम दास केसरवानी के घर रेडियो पर सुना था, इस समाचार को सुनकर उपस्थित लोग शोक संतप्त हो उठे थे और कुछ लोग फूट–फूटकर रोने लगे थे। नगर के दरोगा पुरुषोत्तम सिंह द्वारा नगर में सुरक्षा की बढ़ा दी गई थी, नगर वासियों को सख्त हिदायत के साथ दुकानें बंद करा दी गई थी ताकि कोई अहिंसात्मक कार्रवाई न होने पाए। इतिहासकार दीपक कुमार केसरवानी के अनुसार–ष्भारतीय इतिहास का 30 जनवरी 1948 का दिन काला दिन था, जब अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी हिंसा के शिकार हुए थे, संपूर्ण देश में उहापोह की स्थिति थी और महात्मा गांधी की अंतिम क्रिया के पश्चात पूर्व टाउन एरिया अध्यक्ष बद्रीनारायण, तत्कालीन अध्यक्ष बलराम दास केसरवानी, समाजसेवी शिव शंकर केसरवानी, साहित्यकार विश्वनाथ प्रसाद खादिम, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर वैद्य, अली हुसैन उर्फ बेचू, मोहनलाल गुप्ता के नेतृत्व में 10 दिन तक सूतक रखा गया, इस अवसर पर स्थानीय नगर के वर्तमान राम सरोवर तालाब पर ब्राह्मणों ने महात्मा गांधी की आत्मा की शांति के लिए निशुल्क वेद पाठ, तिलांजलि एवं नाईयो ने सामूहिक रूप से लोगों मुंडन संस्कार किया था।13 वी वाले दिन प्रातः काल गांधीजी का प्रिय राम धुन–ष्रघुपति राघव राजाराम, पतित पावन सीताराम ।का सामूहिक गायन एवं दोपहर में ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया था जिसमें ब्राह्मणों, गरीबों, विद्यार्थियों, साधुओ को भोजन कराया गया था। इस तरह का कार्यक्रम जनपद मुख्यालय मिर्जापुर, तहसील चुनार, रॉबर्ट्सगंज,दुद्धि आदि शहरी, कस्बाई, ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों द्वारा आयोजित किया गया था। महात्मा गांधी जी का अस्थि कलश मिर्जापुर के पक्के घाट पहुंचा तो अहरौरा नगर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बद्री प्रसाद ष्आजादष्, बिंदा प्रसाद, ज्वाला प्रसाद, गौरी शंकर, जगन्नाथ साहू, श्री राम, हीरालाल गुप्ता, सत्यनारायण साव, किशोरी लाल केसरवानी सहित सोनभद्र जनपद के रॉबर्ट्सगंज एवं दुद्धी तहसील के स्वाधीनता संग्राम सेनानी, समाजसेवी व अन्य लोग मिर्जापुर पहुंचे थे और इतिहास के साक्षी बने थे।महात्मा गांधी के आह्वान पर कफन बांध कर अंग्रेजों से मोर्चा लेने के लिए निकल पड़ते थे क्षेत्र के क्रांतिकारी, देशभक्त। सोनभद्र जनपद के रॉबर्ट्सगंज एवं दुद्धी तहसील की तमाम प्रकार की समस्याओं, ब्रिटिश अत्याचारों की सूचना यहां के नेता जनपद मुख्यालय के नेताओं को देते थे और यह लोग महात्मा गांधी तक सूचनाओं को पहुंचाने का कार्य करते थे।गांधीजी इस क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से भी परिचित थे। वर्ष 1921 में चलाए गए मीरजापुर के जिला कांग्रेस कार्यालय में तलाशी के दौरान पुलिस के हाथ स्वयंसेवकों का रजिस्टर लगा। इस रजिस्टर में राष्ट्रपिता ने खुद अपने हाथों से आजादी के दीवानों के नाम संदेश लिखा था।उन्होंने मीरजापुर के स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा था कि–यह भारती काफी उर्जावान है। वाराणसी से सटे होने की वजह से इस जिले की भूमिका आजादी की लड़ाई में काफी महत्वपूर्ण हो सकती है। वाराणसी से इलाहाबाद जाते समय राष्ट्रपिता ने मीरजापुर के पुरानी अंजही मुहल्ले में बैठक भी की थी। सन 1929 में महात्मा गांधी मिर्जापुर जनपद के तहसील चुनार, मिर्जापुर मुख्यालय पर आए थे और उन्होंने नगर के लाल डिग्गी मैदान (गांधी पार्क) ओजस्वी भाषण दिया था, उन्होंने जनपद वासियों से सत्य अहिंसा का पालन करते हुए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ने का आह्वान आम जनता से किया था। वर्तमान समय में सोनभद्र जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के नगर पालिका परिषद के कार्यालय में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं कलेक्ट्रेट प्रांगण में पार्क में स्थापित महात्मा गांधी की प्रतिमा सहित जनपद के अन्य स्थल स्वाधीनता के इस महानायक की याद दिलाते हैं और देश के ऊपर तन– मन– धन न्योछावर करने की प्रेरणा भावी पीढ़ी को देते हैं।

पेट्रोल पम्पों पर तेल भरवाकर बिना पैसे दिये भाग जाने वाले गिरोह के साथ 04 सदस्यों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बृद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षकध्पुलिस अधीक्षक अमरेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल निर्देशन में आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक राबर्ट्सगंज , उ०नि० संजय कुमार सिंह चौकी प्रभारी कस्बा राबर्ट्सगंज व उ0नि0 बृजेश कुमार दूबे प्रभारी चौकी कांशीराम आवास मय हमराहियान बढ़ौली चौराहा पर मौजूद थे कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि विभिन्न पेट्रोल पम्पों से तेल भरवाकर बिना पैसे दिए भाग जाने वाले गिरोह के 04 सदस्य हिन्दुआरी ओवर ब्रिज के नीचे हिनौता जाने वाले मार्ग पर डीजल लेकर कहीं अन्यत्र बेचने के फिराक में है । इस सूचना पर उपरोक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंच देखा गया तो हिन्दुआरी ओवर ब्रिज के नीचे किनारे सर्विस लेन की तरफ खड़ी एक बुलेरो की तरफ इशारा करके मुखबिर खास हट बढ़ गया । पुलिस टीम द्वारा उक्त गाडी की घेरा बन्दी कर आड़ लेकर धीरे धीरे आगे बढ़ रहे थे कि पुलिस की आहट को महसूस कर गाड़ी में बैठे व्यक्तियों ने हिनौता गांव की तरफ भागने लगे । पीछा किया गया तो एक व्यक्ति ने पुलिस बल पर लक्ष्य साधकर जान से मारने की नियत से फायर किया, पुलिस टीम द्वारा एक बारगी घेरकर आवश्यक बल प्रयोग कर फायर करने वाले व्यक्ति सहित कुल 04 नफर अभियुक्तों क्रमशः 1. अंकित चौबे पुत्र शशांक शेखर चौबे नि0 चौबेपुर थाना मड़िहान जनपद मिर्जापुर 2. आकर्षित पाण्डेय उर्फ गोलू पुत्र बाबूलाल पाण्डेय निवासी परासी पाण्डेय थाना राबर्ट्सगंज जनपद सोनभद्र 3. सुनिल पाण्डेय पुत्र रमाशंकर देव पाण्डेय नि0 परासी पाण्डेय थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र 4. अनिल कुमार पुत्र हिरालाल निवासी परासी पाण्डेय थाना रा0गंज जनपद सोनभद्र को समय करीब 18.15 बजे गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बोलेरों वाहन संख्या न्च्व् क्छ8063 , एक अदद देशी तमंचा 315 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस व एक अदद खोखा कारतूस,दो अदद नाजायज चाकू , चार अदद एंड्रायड मोबाइल फोन व एक जरिकेन में चोरी का 20 लीटर डीजल बरामद किया गया । उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया ।

साहब दौड़ते रहे जनपद में नही मिली मिलावटी शराब

जॉच पर लोग हैरान, जिले में शराब की लाइसेंसी दुकानों की जांच

दैनिक बृद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रायबरेली में हुए जहरीली शराब कांड के बाद सतर्कता बरत रहे प्रशासन, पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने शनिवार को जिले में शराब की लाइसेंसी दुकानों की जांच की। यह पता लगाने की कोशिश की गई कि कहीं शराब में मिलावट तो नहीं की गई है। स्टाक के साथ ही शराब को सैंपल देखे और सेल्समैन को सही तरह से कार्य करने के निर्देश दिए। एसडीएम सदर विकास कश्यप, सीओ सदर प्रदीप कुमार यादव और आबकारी निरीक्षक सदर मुकेश कुमार शर्मा की संयुक्त टीम ने सदर तहसील क्षेत्र के चौनपुर में देसी शराब की दुकान, तिलकपुर में अंग्रेजी शराब की दुकान पर पहुंची। वहां पर स्टाक रजिस्टर को देखा। दुकान में शराब का स्टाक मिलाया। इसके साथ ही, शराब के बोतल को भी चेक करके देखा कि वह कहीं खुला तो नहीं है, या फिर मिलावटी की कोशिश तो नहीं की गई है। उसके बाद, सनई चौराहे पर देसी, अंग्रेजी और बियर की दुकान की जांच की गई।

फिर परसा, पकड़ी में देसी, अंग्रेजी और बियर की दुकान पर पहुंचकर जांच की। नौगढ़ तहसील क्षेत्र की 38 देसी, 15 अंग्रेजी, 18 बियर और दो मॉडल शॉप की जांच की। भांग की एक दुकान की जांच की। शोहरतगढ़ क्षेत्र में एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव, सीओ हरिश्चंद और आबकारी निरीक्षक अजय कुमार की टीम ने सर्किल में शराब की सभी दुकानों की जांच की। इसी प्रकार बांसी, इटवा और डुमरियागंज में पुलिस, आबकारी और प्रशासन की संयुक्त टीमों ने सर्किल में शराब की दुकानों की जांच करके आवश्यक निर्देश दिए।

इस संबंध में जिला आबकारी अधिकारी रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि शासन से सरकारी ठेके के जांच का आदेश हुआ था। उसी क्रम में संयुक्त टीम ने जांच की है। इटवा प्रतिनिधि के अनुसार, तहसील क्षेत्र में शनिवार को एसडीएम अभिषेक पाठक और सीओ रमेश चंद्र पांडेय ने आबकारी टीम के साथ शराब की दुकानों का निरीक्षण कर ग्राहकों से बात की। टीम ने इटवा कस्बा, महादेव, पटखौली नानकार, परसा, बेलहसा, टिकुईया चौराहा, भिलौरी–भिलौरा सहित कई लाइसेंसी दुकानों का निरीक्षण किया। दुकानों में मौजूद स्टॉक का सत्यापन किया और शराब की गुणवत्ता की पूछताछ की गई।

ग्राहकों से भी पूछताछ करते हुए अनियमितता दिखने पर शिकायत करने की सलाह दी। बिस्कोहर प्रतिनिधि के अनुसार, चौकी प्रभारी बिस्कोहर राजेश कुमार शुक्ल ने मातहतों के साथ शनिवार शाम पांच बजे शराब की दुकानों की जांच की। उन्होंने नगर पंचायत बिस्कोहर के दलपतपुर व देवीपुर स्थित लाइसेंसी देसी शराब और बिस्कोहर व देवीपुर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकानों पर जाकर जांच की। कहा कि दुकानों में सफाई रहनी चाहिए।

साहित्यकारों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जयशंकर प्रसाद को किया याद

● सोन साहित्य संगम के बैनर तले हुआ आयोजन
● मनाया गया कवि सरोज सिंह का 63 वां जन्मदिन

दैनिक बृद्ध का संदेश

सोनभद्र । रॉबर्ट्सगंज के दी आर्यन अकेडमी का सभागार रविवार को आयोजन की त्रिवेणी से साहित्य का कुंभ बन गया था ।सोन साहित्य संगम के बैनर तले संस्था के निदेशक एवं विरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में विचार गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संत कीनाराम पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ. गोपाल सिंह , विशिष्ट अतिथि उपन्यासकार व असुविधा के संपादक रामनाथ शिवेंद्रश् , विंध्य संस्कृति शोध समिति ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त सेवानिवृत्त शिक्षक एवं किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, वाराणसी के अपर आयुक्त सीजीएसटी राजेंद्र कुमार, कांग्रेस के कद्दावर नेता राजेश द्विवेदी आदि ने गर्भित विचार व्यक्त किये । इसके पूर्व अतिथियों द्वारा मां सरस्वती , राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और प्रख्यात साहित्यकार जयशंकर प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ गोष्ठी का शुभारंभ किया गया । स्वागत भाषण सोन साहित्य संगम के संयोजक राकेश शरण मिश्र एडवोकेट ने दिया । वाणी वंदना कवि सरोज सिंह ने किया । संचालन पत्रकार भोलानाथ मिश्र ने किया । संस्था द्वारा अतिथियों का अंगवस्त्रम लेखनी और पुस्तिका भेंट कर सम्मान किया गया। दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्यकार पारसनाथ मिश्र ने और संचालन कवि अशोक मिश्र ने किया । कवयित्री डॉ छरचना तिवारी , कवि प्रदुम्मन कुमार त्रिपाठी , दिवाकर द्विवेदी मेघ विजयगढ़ी , गीतकार ईश्वर विरागी , जगदीश पंथी , सुशील कुमार राही, शिवनारायण शिव,कौशल्या देवी सरोज सिंह , राकेश शरण मिश्र ,जय राम सोनी, दयानंद दयालु, मिथिलेश द्विवेदी, समेत कई अन्य कवियों ने एक से बढ़ कर एक कालजयी रचनाएं सुनाई ।व्यंग , कटाक्ष , दोहा , चौपाई , छंद , नव गीत , मुक्तक , गजल ,रुबाई और अतुकांत रचनाओं से साहित्य का ऐसा संगम सृजित हुआ कि श्रोताअपने को धन्य मानने लगे ।सरोज सिंह के जन्म दिन पर सोन साहित्य संगम के बैनर तले आयोजित विचार व सम्मान समारोह में हुई गोष्ठी यादगार बन गई । सभी साहित्यकारों को कलम डायरी व अंग वस्त्र के साथ माल्यार्पण कर संस्था के संयोजक राकेश शरण मिश्र और कवि सरोज सिंह की ओर से साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

एक मुश्त समाधान योजना में 31 तक लें योजना का लाभ

दैनिक बृद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विद्युत विभाग की ओर से चल रहे एक मुश्त समाधान योजना के लिए सिर्फ दो दिन की अवधि शेष है। 31 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन कराकर विद्युत उपभोक्ता अपना बकाया बिजली का बिल जमा कर दें। इस दौरान जमा किए गए बिल पर सरचार्ज सौ फीसदी तक माफ रहेगा। पहली फरवरी से उपभोक्ता इस योजना का लाभ नहीं ले सकेंगे। उक्त जानकारी अधिशासी अभियंता राममूरत ने दी है।

115 वर्ष पुराने राजा के घुड़साल में 60 साल से चल रहा हरपालपुर कोतवाली

हरदोई। कोतवाली हरपालपुर का कार्यालय व बैरक 115 वर्ष पुराने खैरुद्दीनपुर स्टेट के राजा के घुड़साल में 60 साल से संचालित हो रहा है। बरसात के दौरान कार्यालय,बैरको व आरक्षी आवासों की छतों से पानी टपकता है।जिससे पुलिस कर्मियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।कोतवाली के नए भवन निर्माण के लिए 70 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। जो शासन में लंबित है। वर्ष 1905 में बने खैरुद्दीनपुर स्टेट के राजा के घोड़ों के लिए बने घुड़साल में हरपालपुर थाने का संचालन 1961में शुरू हुआ था। इसके पहले तक यह क्षेत्र सांडी थाने के अंतर्गत आता था। हरपालपुर थाने के अंतर्गत 79 राजस्व गांव समेत करीब एक सैकड़ा मजरो की करीब ढाई लाख आबादी आती है। गाटा संख्या 857 के0.392 हेक्टेयर व गाटा संख्या 858 के 0.194 हेक्टेयर भूमि पर 1180.48 वर्ग मीटर भवन बना हुआ है जो काफी जर्जर हालत में है।इसके अलावा 1006.50 वर्ग मीटर जमीन खाली पड़ी है।पूरे थाना क्षेत्र का क्षेत्रफल 310 वर्ग किलोमीटर है।हरपालपुर कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक के अलावा आठ उप निरीक्षक,छः मुख्य आरक्षी, 23 आरक्षी व 12 महिला आरक्षी की तैनाती है। तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक भगवान चंद्र वर्मा ने एक वर्ष पूर्व जनसहयोग से आगंतुकों के बैठने के लिए बरामदा व बाउंड्री वाल का निर्माण कराया था। बाउंड्रीवॉल कई जगह से टूट भी चुकी।थाना परिसर में कुल छःआरक्षी आवास व दो बैरके पहले से बनी थी। तीनवर्ष पूर्व उप निरीक्षकों के लिए 6 आवास बनाए गए थे।थाना परिसर में पर्याप्त आरक्षी आवास न होने से सिपाहियों को रहने के लिए इधर–उधर भटकना पड़ता है।

एसपी यातायात ने रिक्रूटों के साथ बैठक कर कर्तव्यों के बारे में दी जानकारी

रिक्रूटो की समस्याओं का त्वरित किया समाधान

दैनिक बृद्ध का संदेश

गोरखपुर। पुलिस अधीक्षक यातायात डॉ महेंद्र पाल सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में रिक्रूटों के साथ व्हाइट हाउस में बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिसमें उन्हे इंडोर व आउटडोर प्रशिक्षण को मन लगाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने कार्यो को करने, साफ–सफाई व स्वास्थ्य पर ध्यान देनें, ज्ञानवर्धन करने, अच्छे सैनिक बननें के गुण बताए गए। प्रत्येक पुलिस का यह कर्तव्य होगा कि वहां किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे विधि पूर्ण जारी किए गए सब आदेशों और वारंटो का सर्वत्र पालन निष्पादन करें।लोक शांति को प्रभावित करने वाली गुप्त बातों का संग्रह करें। सूचना करें, अपराध लोक न्यूसेंस के दूर किए जाने का निवारण करें। अपराधियों का पता चलाए और न्यायालय के समक्ष लाए गए उन सभी व्यक्तियों को पकड़े जिन्हें पकड़ने के लिए वह वैधता अधिकृत है और जिन्हें पकड़ने के लिए पर्याप्त आधार विधमान है किसी मदिरालय जुआघर, भ्रष्ट व्यक्तियों के समागम के अन्य स्थान में बिना वारंट प्रवेश करना और निरीक्षण करना विधि पूर्ण होगा। रिक्रूटों की समस्याओं को सुना गया तथा उसका निस्तारण भी तत्काल किया गया । इस अवसर पर आरटीसी प्रभारी, आईटीआई एवं पीटीआई मौजूद रहे।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं विराट रुद्र महायज्ञ एक फरवरी से शुरू

प्रतिदिन श्री राम कथा एवं श्रीमद्भागवत कथा सायं 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक

दैनिक बृद्ध का संदेश

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज के अंबेडकर नगर स्थित कड़े शीतला माता मंदिर प्रांगण में एक फरवरी को मुख्य अतिथि कमल नयन दास जी महाराज के जरिये श्री शिव परिवार एवं हनुमान जी के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी।कार्यक्रम के आयोजक भिक्षु भिखारी बाबा जंगली दास महाराज ने बताया कि राबर्ट्सगंज के अम्बेडकर नगर स्थित कड़े शीतला माता मंदिर प्रांगण में एक फरवरी से 10 फरवरी तक मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एवं विराट रुद्र महायज्ञ का आयोजन किया गया है। पहले दिन एक फरवरी को मुख्य अतिथि कमल नयन दास जी महाराज के जरिये श्री शिव परिवार एवं हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की शुरूआत होगी। 2 फरवरी को कलश यात्रा निकलेगी और विराट रुद्र महायज्ञ की शुरूआत होगी। प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात्रि 11 बजे तक श्री राम कथा एवं श्रीमद्भागवत कथा होगी। इसके अलावा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। बाबा जंगली दास जी महाराज ने यह भी बताया कि 3 फरवरी को श्री शिव परिवार एवं हनुमान जी मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अग्नि मंथन सुबह 8′15 बजे होगा। अंतिम दिन 10 फरवरी को विराट महायज्ञ का समापन होगा। कार्यक्रम के संयोजक बृजलाल सरोज(बिरजू) हैं। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्याम बाबू, राम बाबू, विजय, संगम, राज, रंजीत लाल, कन्हैया, गुलाब दास, परमानन्द महाराज एवं अजय कुमार के साथ ही अम्बेडकर नगर राबर्ट्सगंज के सभी लोग तथा दान दाता एवं श्रद्धालु शामिल रहेंगे।

कांग्रेस ने महिला प्रदेश उपाध्यक्ष मधु पाठक को किया निष्कासित

अयोध्या। महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष मधु पाठक तथा कांग्रेस नेता धर्मेंद्र सिंह पास्टर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने तथा नेतृत्व पर लगातार गलत टिप्पणियां करने के कारण पार्टी से निष्कासित किया जाता है। उक्त निष्कासन जिले के प्रभारी प्रदेश सचिव हनुमंत विश्वकर्मा के निर्देश पर कार्यवाहक जिला अध्यक्ष शिवपूजन पांडे ने किया। कार्यवाहक जिला अध्यक्ष शिवपूजन पांडे ने बताया उक्त दोनों नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर सोशल मीडिया के माध्यम से गलत टिप्पणियां की तथा उनके चारित्रिक हनन का भी प्रयास किया।

कुष्ठ रोग के प्रति जनजागरूकता को लेकर आयोजित होंगी विविध गतिविधियां

हरदोई। कुष्ठ रोग के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए हर साल 30 जनवरी को कुष्ठ निवारण दिवस मनाया जाता है। इसी के तहत जिले में रविवार (30 जनवरी) से "स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान" शुरू किया जाएगा जो कि 13 फरवरी तक चलेगा।

इसके तहत जन जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। पहले दिन जिलाधिकारी का संदेश शहर,विकास खंडों और एवं ग्रामसभाओं में पढ़ा जाएगा इसके साथ ही कुष्ठ रोग से पीड़ितों के प्रति भेदभाव को खत्म करने की अपील भी की जाएगी।यह जानकारी जिला कुष्ठ रोग अधिकारी डा. देशदीपक पाल ने दी।

डॉ. पाल ने बताया,इस वर्ष " हम सबका यह है सपना, कुष्ठ मुक्त भारत हो अपना" नारे के साथ स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान आयोजित होगा। कुष्ठ रोग से जुड़ी हुई भ्रांतियों एवं भेदभाव को समाप्त करने के लिए और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान ष्स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियानष् के रूप में चलाया जाएगा।

डा. पाल ने बताया,कुष्ठ रोग एक दीर्घकालीन संक्रामक रोग है, जो कि माइको बैक्टेरियम लेप्री नामक जीवाणु से फैलता है। यह रोग हाथों, पैरों की परिधीय तंत्रिका, त्वचा, नाक की म्यूकोसा और श्वसन तंत्र के ऊपरी हिस्से को प्रभावित करता है। यदि कुष्ठ रोग की पहचान और उपचार सही समय से नहीं होता है तो यह स्थाई दिव्यांगता उत्पन्न कर देता है।

कुष्ठ रोग में त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। धब्बे संवेदना रहित होते हैं और रोग की शुरुआत बहुत धीमी गति व शांति से होती है।यह तंत्रिकाओं, त्वचा और आंखों को प्रभावित करता है। सभी संक्रामक रोगों में कुष्ठ रोग अत्यधिक घातक है, क्योंकि इस रोग में स्थाई शारीरिक दिव्यांगता हो सकती है एवं इस रूप में विशेष रुप से रोग में दिखने वाली दिव्यांगता ही मरीज के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव के लिए जिम्मेदार है।इस रोग से ग्रसित व्यक्ति का सही तरीके से उपचार न होने से कुष्ठ प्रभावित व्यक्ति ही एकमात्र जीवाणु को फैलाने के लिए जिम्मेदार होता है। संक्रमित व्यक्तियों के श्वसन तंत्र मुख्य रूप से नाक के द्वारा यह बाहर निकलता है।रोग उत्पन्न करने वाले जीवाणु श्वसन तंत्र जैसे छींकने, खांसने (ड्रॉपलेट संक्रमण) से शरीर में प्रवेश करता है और शरीर में प्रवेश करने के बाद बैक्टीरिया तंत्रिकाओं एवं त्वचा की ओर पलायन कर जाता है। यदि शुरुआती चरण में इसका निदान एवं उपचार नहीं किया गया तो स्थायी दिव्यांगता हो सकती है।

नोडल अधिकारी ने बताया – कुष्ठ रोग के कुछ सामान्य लक्षण हैं – गहरे रंग की त्वचा के व्यक्ति में हल्के रंग के धब्बे और हल्के रंग के व्यक्ति की त्वचा में गहरे अथवा लाल रंग के धब्बे, त्वचा के दाग धब्बों में संवेदनशीलता (सुन्नपन), हाथ या पैरों में अस्थिरता या झुनझुनी, हाथ,पैरों या पलकों में कमजोरी, चेहरेध्कान में सूजन या घाव तथा हाथ या पैरों में दर्द रहित घाव।

कुष्ठ रोग के लक्षण लंबे समय बाद दिखाई देते हैं क्योंकि कुष्ठ रोग से लक्षण उत्पन्न होने की अवधि कुछ हफ्तों से 20 साल या उससे अधिक का समय ले लेता है इस रोग की औसत इनक्यूबेशन अवधि पाँच से सात साल की होती है।

कुष्ठ रोग में संवेदनहीनता और मांसपेशियों की कमजोरी के फलस्वरूप तंत्रिका क्षति के कारण शारीरिक दिव्यांगता और विकृति का कारण बनता है। इसके फलस्वरूप त्वचा सूख जाती है और अतिरिक्त संवेदी विकृतियों के साथ कठोर त्वचा, छाले एवं अल्सर बनने का कारण बनती है। डा. पाल ने बताया– इसका कोई प्रमाण नहीं है कि यह रोग वंशानुगत है। यदि कुष्ठ रोग का शीघ्र पता चल जाए तो इसका उपचार मल्टी ड्रग थेरेपी (एम.डी.टी.) द्वारा संभव है।एमडीटी के उपचार के बाद इस रोग की पुनरावृत्ति दुर्लभ होती है। कुष्ठ रोग के लक्षण दिखने पर अपने क्षेत्र की आशा या एएनएम से संपर्क करें या निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं द्य सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर एमडीटी निःशुल्क उपलब्ध है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वयंसेवी संस्थाओं सहित सभी सामान्य स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से हर साल खोजे गए रोगियों का निःशुल्क इलाज किया जाता है।

कुष्ठ रोग का इलाज पूरा कर चुके मारीजों को सरकार हर माह 3000 रुपये की पेंशन देती है। वर्तमान में जिले में लगभग 350 व्यक्ति पेंशन का लाभ पा रहे हैं। इसके अलावा जिन कुष्ठ रोगियों का अपना मकान नहीं है उन्हें सरकार द्वारा आवास देने की योजना शुरू की गई है जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में 105 रोगियों को आवास दिया गया है।वर्तमान में जिले में कुष्ठ के 238 मरीज एमडीटी के माध्यम से निशुल्क इलाज करा रहे हैं।

200 कछुओं समेत तस्कर को एसटीएफ व वन विभाग की संयुक्तटीम ने धर दबोचा,भेजा जेल, तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी

हरदोई। संरक्षित जीव 200 कछुआ की तस्करी के लिए ले जा रहे तस्कर को बालामऊ जंक्शन स्टेशन के पास एसटीएफ व वन विभाग की संयुक्त टीम ने पकड़ लिया। मुखबिर द्वारा विभागीय अधिकारियों को सूचना मिली कि तस्करों द्वारा कई जिलों में कछुआ तस्करी का कार्य चल रहा है। तस्कर आसपास के जिलों में कछुआ पकड़कर दूसरे राज्यों में सप्लाई करते हैं। एसटीएफ टीम जिसमें अरविंद कुमार, राम सिंह, वन विभाग से क्षेत्राधिकारी रामचंद्र, वन दरोगा सुशील कुमार, अशोक कुमार, रोहित कुमार, आशीष कुमार ने शुक्रवार की सायं तस्कर मो.कमर पुत्र छेदन निवासी इस्लाम नगर, लुधियाना, पंजाब को एक थैला समेत दबोच लिया, थैले में 200 कछुए थे। ये कछुए इंडियन टेंट टारटिल प्रजाति के थे। ऐसे कछुए गंगा नदी में पाए जाते हैं। यह पानी की गंदगी को साफ करते हैं। कछुआ सबसे ज्यादा आयु तक जीने वाला जीव है। तस्कर के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 2, 9, 39, 48 I, 49, 50, 51 के तहत कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया गया। इस धंधे से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस कार्यवाही से कछुओं की तस्करी करने वालों में हड़कंप मच गया।

श्री श्याम बाबा की द्वादशी पर हुआ विशाल भंडारा

हरदोई ।श्री श्याम मित्र मंडल हरदोई द्वारा आज श्याम बाबा की द्वादशी उत्सव पर श्याम बाबा को भोग लगाकर भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें मंदिर में आने वाले श्याम भक्तो के साथ आम जन को भी कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया गया। ज्ञात हो कि श्री श्याम बाबा के कीर्तन एकादशी के उपरांत द्वादशी के उपरांत द्वादशी के दिन श्याम बाबा के भोग लगाया जाता है। इसी क्रम में श्री श्याम मित्र मंडल हरदोई द्वारा श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज पर विशाल भंडारे का आयोजन कर कढ़ी चावल का प्रसाद वितरण किया गया। समिति के सदस्यों में अनुपम अग्रवाल, अनुराग कुमार वैश्य, ऋषभ अग्रवाल,अमित अग्रवाल,संचित अग्रवाल, विवेक बंसल,सुधांशु अग्रवाल,अपूर्व महेश्वरी, साहिल,यश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल,शुभम गुप्ता, देव अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, गोपाल सिंघल,आंचल अग्रवाल, अंचल अग्रवाल, सपन अग्रवाल, विजय गुप्ता, कुणाल रस्तोगी, सुशील गुप्ता मौजूद रहे।

पूर्व विधायक की गाड़ी ने मारी टक्कर

हरदोई। थाना क्षेत्र के ग्राम महरी निवासी पंकज गुप्ता पुत्र राम कुमार संडीला से एक शादी समारोह से अपनी फैमिली के साथ अपनी निजी कार से बृहस्पतिवार की रात घर वापस आ रहे थे तभी रास्ते में लखनऊ हरदोई मार्ग के डबल नहर पुल के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही पूर्व विधायक अनिल वर्मा की फॉर्च्यूनर गाड़ी ने जबरदस्त टक्कर मार दी,जिससे पीड़ित बाल बाल बच गया। गाड़ी काफी क्षतिग्रस्त हो गई। पूर्व विधायक ने गाड़ी बनवाने की बात कहकर हरदोई चले गए,दूसरे दिन फोन से बात करने पर सही जवाब न मिलने पर पीड़ित ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत की। इस संबंध में थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने बताया जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वजों की याद में कराया भव्य पुरुषोत्तम मंदिर का निर्माण

हरदोई। विकास खण्ड कछौना की ग्रामसभा कामीपुर में अधिवक्ता शिव कुमार सिंह ने पूर्वजों की याद में भव्य पुरुषोत्तम मंदिर का निर्माण कराया। पं. अवधेश कुमार अवस्थी द्वारा भागवत कथा भी कही जा रही है। शनिवार को भव्य राम, सीता, लक्ष्मण की मनोरम मूर्ति की झांकी ग्रामसभा में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें महिलाएं, पुरुष व बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। ग्रामीण शोभायात्रा में मनोरम राम, सीता, लक्ष्मण की मूर्ति का दर्शन कर आनंदित हो रहे थे। कोविड–19 तीसरी लहर के चलते सीमित संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया। इस शोभायात्रा से पूरे गांव में आध्यात्मिक वातावरण हो गया। ग्रामीण राम के जीवन से बेहतर जीवन जीने का संदेश ले रहे थे। इस शोभायात्रा में सेवानिवृत्त शिक्षक केशव सिंह, शम्भू सिंह, ग्राम प्रधान मदन सिंह, हेमंत सिंह, अनिल सिंह, हरिनाम सिंह,अंशु सिंह, शिवपूजन सिंह,रवि सिंह, प्रांजल सिंह, प्रांशु सिंह, सोमू सिंह,दुर्गेश सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद गुप्ता सहित पुरुष,महिलाओं व बच्चों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया।

नगदी समेत लाखों की ज्वैलरी पार, स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की गुहार

मल्लावां/हरदोई। अज्ञात चोरों ने सर्राफ व बर्तन की दुकान का ताला तोड़कर बर्तन जेवरात समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। साथ ही कुछ दूरी पर स्थित परचून की दुकान का भी ताला तोड़ दिया लेकिन होमगार्ड के ललकारने पर चोर भाग गए। घटना की जानकारी होने से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

कोतवाली क्षेत्र की राघौपुर चौकी से कुछ दूरी पर मल्लावां मेंहदीघाट सड़क पर स्थित संजय जायसवाल पुत्र अचल जायसवाल निवासी राघौपुर की जायसवाल ज्वैलर्स व बर्तन भंडार के नाम से दुकान है। शुक्रवार की रात को अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर दुकान के अंदर रखे लाकर को भी तोड़कर लाखो रुपये के जेवरात व बर्तन चोरी कर ले गए। इसके बाद कुछ दूरी पर स्थित बंटी पुत्र रामबाबू निवासी ग्राम औसानपुर की परचून की दुकान का ताला तोड़कर शटर उठाकर घुसने का प्रयास कर रहे थे। खट पट की आवाज सुनकर चौराहे पर ड्यूटी कर रहे होमगार्ड करुणा शंकर ने चोरों को ललकारा तो चोर भाग गए। सुबह लाखों की चोरी होने की जानकारी होने पर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। चोरी होने की सूचना पर कोतवाल सुनील सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुचकर जांच पड़ताल कर फील्ड यूनिट को बुलाया। फील्ड यूनिट के सदस्यों ने दुकान से नमूने लिए है। कोतवाल ने बताया कि तहरीर मिली है रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

चोरी होने से आक्रोशित दुकानदारों ने सुबह से ही व्यापारी दुकानें बंद कर रखे थे। दुकानदारों का कहना है कि पुलिस चोरी का जल्द खुलासा करे। कोतवाल दुकानदारों को खुलासे के आश्वासन देकर वापस चले आये। उनके वापस आते ही दुकानदारों ने मल्लावां मेंहदी घाट रोड पर जाम लगाने का प्रयास करने लगे। सूचना पर फिर से कोतवाल मौके पर पहुचकर लोगों को तीन दिन के अंदर घटना के खुलासे के अस्वाशन दिया। इस पर दुकानदार मान गए। साथ ही स्थानीय व्यापारियों ने बताया है कि निर्धारित समय में पूर्व घटनाओं का भी खुलासा नहीं होता है तो सभी व्यापारी अनिश्चितकालीन धरने के लिए बाध्य होंगे।

नामांकन के तीसरे दिन कुल 06 लोगो ने नामांकन पत्र दाखिल किया:–जिला निर्वाचन अधिकारी

हरदोई। जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया है कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु आज नामांकन के तीसरे दिन जनपद के अन्तर्गत आने वाली कुल 08 विधान सभा क्षेत्रों हेतु नामांकन के कुल 39 नामांकन पत्र खरीदे गये, तथा आज कुल 06 नामांकन पत्र दाखिल किये। विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर–154 में कुल 05 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से श्याम सिंह ने 02, नीरज शुक्ला ने 02 व विजय बहादुर ने 01 सेट खरीदा। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र शाहाबाद–155 में कुल 07 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से राम किशोर ने 02, सुखेन्दु सिंह ने 01, शिव कुमार गुप्ता ने 01 व ज्ञानोर्जन ने 02 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र हरदोई–156 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से शोभित पाठक ने 03 व अभिषेक सिंह ने 01 सेट खरीदे। विधान सभा क्षेत्र गोपामऊ–157 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से सुनील कुमार ने 01, चन्द्रपाल वर्मा ने 01 व पुनीत कुमार वर्मा ने 02 सेट खरीदे। विधान सभा क्षेत्र साण्डी–158 में कुल 06 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से अनूप कुमार ने 01, राम सागर ने 01, शिवम पाण्डेय ने 02, राम बाबू ने 01 व राम कुमार वर्मा ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बिलग्राम–मल्लावां–159 में कुल 04 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से चन्द्र किशोर सिंह ने 01, सच्चिदानन्द पाण्डेय ने 01, रमेश सिंह ने 01 व गंगाराम ने 01 सेट खरीदा। विधान सभा क्षेत्र बालामऊ–160 में कुल 03 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से राम कृष्ण ने 01, अर्पित वर्मा ने 01 व अशोक कुमार वर्मा ने 01 सेट खरीदा। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र सण्डीला–161 में कुल 06 नामांकन पत्र खरीदे गये जिसमें से अलका सिंह ने 02, मो फखरूद्दीन ने 02 व अंजुल कुमार ने 02 सेट खरीदे। उन्होंने बताया है कि नामांकन के तीसरे दिन विधान सभा क्षेत्र–154 से भाजपा उम्मीदवार माधवेन्द्र प्रताप सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया तथा निर्दलीय उम्मीदवार उदयवीर ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी प्रकार विधान सभा क्षेत्र–155 से सपा उम्मीदवार मो आसिफ खाँ 'बब्बू' ने तथा निर्दलीय उम्मीदवार नसरीन बानो ने नामांकन पत्र दाखिल किया। विधान सभा क्षेत्र–156 हरदोई से निर्दलीय उम्मीदवार रामकृष्ण ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तथा विधान सभा क्षेत्र–161 सण्डीला से सुहैलदेव भारतीय समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सुनील कुमार ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस प्रकार नामांकन के तीसरे दिन कुल 06 लोगो ने रिर्टनिंग आफीसर के सम्मुख प्रस्तुत होकर नामांकन पत्र दाखिल किया।

हर मतदाता को बूथ तक लाने का करे प्रयास: बीएसए

जौनपुर। विधानसभा सभा चुनाव में शत– प्रतिशत मतदान हेतु बीआरसी सिकरारा पर शनिवार को परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आकर्षक रंगोली बनाई। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर जागरूकता रैली निकाली। मतदान प्रतिशत को बढ़ाने हेतु लोगो को शपथ भी दिलाई गई। मुख्य अतिथि बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल ने कहा कि मतदान करना सबका अधिकार व कर्तव्य है। मतदान करना ही भारतीय नागरिक होने का सही प्रमाण भी है। इसलिये मतदान के दिन सभी कार्य को छोड़कर पहले मतदान कर भारतीय नागरिक होने का सही प्रमाण दें। मतदाताओं को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए मतदान करना है। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार यादव ने नेतृत्व में बीआरसी भवन के पास मैदान में परिषदीय विद्यालय के शिक्षकों का जमावड़ा शुरू हुआ। महिला शिक्षिकाओं ने मैदान मे आकर्षक रंगोली बनाकर शत– प्रतिशत मतदान हेतु सबको जागरूक किया। मैदान में जगह– जगह बैठे शिक्षक– शिक्षिकाओं ने अपना विचार प्रस्तुत किया। लोगो को जागरूक करने के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। मतदाताओं को मतदान के लिए सिकरारा बाजार व चौराहा तक रैली निकालकर प्रेरित किया। शिक्षिका संयुक्ता सिंह ने स्वागत गीत, सिन्धुजा श्रीवास्तव ने मतदान गीत व शिक्षक वीरेन्द्र सिंह, शिवम सिंह व राकेश सिंह ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सहायक प्रभारी स्वीप सैयद मुस्तफा, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, एआरपी राजू सिंह, ब्लाक अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, देशबन्धु यादव, राजीव सिंह लोहिया, शैलेश चतुर्वेदी, डा. विजय बहादुर सिंह, सतीश सिंह, सीमा उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

ईएमटी व आशा बहू की सजगता से नवजात शिशु ने 102 एम्बुलेंस में लिया जन्म

हरदोई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना के अंतर्गत जीवनदायिनी 102 में स्टॉफ कर्मियों की सजगता से वाहन के अंदर गर्भवती महिला ने नवजात शिशु को जन्म दिया। जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। परिजन स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग की सराहना कर रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना में जीवनदायिनी 102 वाहन संख्या न्द32 ब्ळ 1034 के ईएमटी के पास डिलीवरी हेतु मरीज को ग्राम बहदिन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव हेतु लाने के लिए कॉल आई। चालक बिना देरी किये गर्भवती महिला को गांव से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ला रहे थे। परिजनों के साथ आशा बहू भी थी। रास्ते में महिला को काफी दर्द हुआ। प्रसव पीड़ा बढ़ जाने के कारण ईएमटी व आशा बहू ने अपने डॉक्टरों से परामर्श कर प्राथमिक उपचार किया। स्टॉफ कर्मियों के प्राथमिक उपचार से 102 में ही नवजात शिशु ने जन्म दिया। नवजात शिशु के जन्म के बाद जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हालत में थे। स्टॉफ कर्मियों सहित परिजनों व मां के चेहरे पर खुशी दौड़ गई। 102 में नवजात शिशु की किलकारी गूंज उठी। स्टॉफ कर्मियों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जच्चा–बच्चा दोनों को सकुशल भर्ती कराया। स्टॉफकर्मी ईएमटी अवनीश,पायलट सत्येंद्र कुमार,आशा बहू सुशीला देवी के प्राथमिक उपचार की परिजन सराहना कर रहे हैं। स्टॉफ कर्मियों के अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदारी के कारण ग्रामीण क्षेत्र में संस्थागत प्रसव कराने में इजाफा हुआ है। मामले को लेकर अधीक्षक किसलय बाजपेयी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रसव को लेकर अब दाईयों से प्रसव पर काफी हद तक रोक लगी है। उसमें जच्चा–बच्चा दोनों के जीवन को खतरा रहता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव कराने में अब काफी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

यूपी में जंगलराज कायम: अरविन्द पटेल

जौनपुर। जिले में सरदार सेना द्वारा जिला मुख्यालय पर प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने कहा कि आरआरबी–एनटीपीसी रिजल्ट में हुए धांधली को लेकर अभ्यर्थियों के प्रदर्शन के बीच उत्तर प्रदेश के प्रयागराज व बिहार प्रान्त के विभिन्न जगहों पर जो पुलिस प्रशासन द्वारा छात्रों के साथ घातक रवैया किया गया वह निंदनिय और दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मुद्दे को लेकर सरदार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर. एस. पटेल के निर्देश पर सरदार सेना कार्यकर्ताओं द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित प्रदेशव्यापी ज्ञापन सौंपने का कार्य किया गया।जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने कहा कि यूपी के प्रयागराज में हॉस्टल में घुसकर दरवाजा तोड़कर छात्रों के साथ जो तांडव किया गया वह बर्दाश्त नहीं है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश पूरी तरह से जंगल राज कायम हो गया है कानून नाम की कोई चीज ही नहीं रह गई है आपको ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश व बिहार में सबसे ज्यादा युवा हैं और यहां बेरोजगारी की दर भी सबसे ज्यादा है। सरकारें उनके लिए नौकरियों का वादा करती तो हैं लेकिन जब वे नौकरी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरते हैं तो सरकारों द्वारा उन पर लाठियां बरसायी जाती है। सरदार सेना ने शुक्रवार को बिहार बंद के आह्वान का समर्थन भी किया था। इसलिए इस मुद्दे को लेकर सरदार सेना सामाजिक संगठन द्वारा सरकार से आरआरबी–एनटीपीसी रिजल्ट में हुए धांधली की तत्काल जांच करने की मांग किया जा रहा है। दूसरी तरफ विगत 21 जनवरी दिन शुक्रवार उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर में छतारी थाना अन्तर्गत धौरऊ गांव में हुए 16 वर्षिय पिंकी लोधी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में पुलिस द्वारा मामले की लिपापोती करने को लेकर सरदार सेना ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित 3 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। धीरज कुमार यादव, अवधेश कुमार मौर्य,अमर बहादुर चौहान,रविशंकर यदुवंशी,मोहन विश्वकर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

निर्वाचन की अधिसूचना जारी

जौनपुर । उप निर्वाचन अधिकारी रामप्रकाश ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम नियत किया गया है। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य निर्वाचित होने हैं। निर्वाचन की अधिसूचना 04 फरवरी शुक्रवार, नाम निर्देशन हेतु अंतिम तिथि 11 फरवरी शुक्रवार, नाम निर्देशनों की जांच हेतु 14 फरवरी सोमवार, नाम वापसी हेतु अंतिम तिथि 16 फरवरी बुधवार, मतदान 03 मार्च बृहस्पतिवार, मतदान का समय पूर्वान्ह 8.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक, मतगणना 12 मार्च शनिवार, वह दिनांक जिसके के पूर्व निर्वाचन पूर्ण कर लिया जाएगा 15 मार्च मंगलवार है। उक्त निर्वाचन के संबंध में आदर्श आचार संहिता के सुसंगत उपबंध आयोग के निर्देश में दिए गए प्रावधानों के अनुसार तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

सड़क दुर्घटना में अधेड़ की मौत

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के सत्ती माई तिराहा पर बीती रात्रि अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से साइकिल सवार अधेड़ की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के पुत्र राजेश कुमार गौड़ ने पुलिस को लिखित सूचना दिया कि उसके पिता गुलाब चंद गौड़ पुत्र हरिलाल गौड़ उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी ग्राम मुकुंदपुर थाना मड़ियाहूं किसी कार्यवश मड़ियाहूं बाजार साइकिल से आये हुए थे कि घर वापस आ रहे थे कि सत्ती माई तिराहा पर किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर मड़ियाहूं पुलिस मौके पर पहुचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया।

32 लाख की चोरी में पुलिस को फरार आरोपी के बारे में नहीं मिला कोई सुराग

कानपुर। अशोक नगर में ब्यूटी पार्लर व स्पा संचालिका के घर हुई 32 लाख की चोरी के मामले में पुलिस को अब भी फरार आरोपी के बारे में कोई सुराग नहीं मिला है। आरोपी ने भाई के पकड़े जाने की जानकारी मिलते ही उसने फोन स्विच ऑफ कर लिया था। पुलिस उसके मोबाइल नंबर की सीडीआर निकलवाकर संपर्क वाले नंबरों पर नजर बनाए हुए है। सीसीटीवी फुटेज में निक्की दो झोले लेकर जाते हुए कैद हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने उसे धर– दबोचा कड़ाई से उससे पूछताछ करने पर उसने चोरी करने की बात स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर घर पर तलाशी ली तो एक पर्स में 20 हजार नकद, क्रेडिट, डेबिट कार्ड,ज्वेलरी,फोटो,पत्नी वंदना के पास 27 हजार से अधिक की नकदी आदि बरामद हुई थी। जिस पर पुलिस ने गत 26 जनवरी को आरोपित दंपती को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में दूसरे आरोपी निक्की के भाई अनिकेत की भूमिका भी सामने आयी थी,लेकिन वह फरार चल रहा था। थाना प्रभारी नजीराबाद हर प्रसाद अहिरवार ने बताया कि निक्की के पकड़े जाने के बाद आरोपित अनिकेत ने अपना फोन बंद कर दिया था। जिसके बाद उसकी नई लोकेशन पता नहीं चला है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस के साथ पुलिस की दो टीमें लगाई हैं। वहीं सीडीआर के जरिए करीबियों के नंबर निकाल कर उन पर नजर भी रखी जा रही है। आरोपित के पकड़े जाने के बाद ही डिजिटल लाकर के बारे में कुछ पता चल सकेगा।

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

समाचार पत्र

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो हौंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।

आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458

संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा

सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

8795951917, 9453824459

ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com

E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मददगार हैं ये पांच केमिकल पील फेस मास्क

स्वास्थ्य के साथ–साथ त्वचा का भी ध्यान रखना जरूरी है क्योंकि अगर इसे लेकर कोई भी लापरवाही बरती जाए तो आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में केमिकल पील फेस मास्क काफी मदद कर सकते हैं क्योंकि यह डेड स्किन सेल्स, मुंहासों के निशान, झुर्रियां और हाइपरपिग्मेंटेशन आदि से राहत दिला सकता है। आइए आज पांच तरह के केमिकल पील फेस मास्क बनाने और लगाने के तरीके जानते हैं।

केमिकल पील फेस मास्क क्या है?: केमिकल पील फेस मास्क किसी केमिकल से बनने वाला कोई फेस मास्क नहीं है बल्कि यह घरेलू चीजों से बनाया जाने वाला पील फेस मास्क है, जिसके इस्तेमाल से त्वचा से डेड स्किन सेल्स हटाने, फाइन लाइन्स और हाइपरपिग्मेंटेशन आदि से छुटकारा मिल सकता है।

झुर्रियों से राहत पाने के लिए अंडे और खीरे का बनाएं पील फेस मास्क

इसे बनाने के लिए पहले एक कटोरी में एक अंडे का सफेद भाग और आधा कप बीज रहित खीरे के पेस्ट के साथ फेंट लें, फिर इसमें एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद इसे चेहरे से उतारें। यह केमिकल पील फेस मास्क न सिर्फ त्वचा में कोलेजन की मात्रा को बढ़ाकर झुर्रियों को कम करता है बल्कि इसे हाइड्रेट करने में भी सहायक है।

रूखी त्वचा के लिए बेहतरीन है एएचए केमिकल पील फेस मास्क

एएचए यानी अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड से युक्त केमिकल पील फेस मास्क, जो रूखी त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चौथाई कप गन्ने की चीनी और एक चौथाई कप ग्रीक योगर्ट मिलाएं, फिर इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और जब यह सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पील फेस मास्क चेहरे को पोषित करने में भी सहायक है।

तैलीय त्वचा के लिए फायदेमंद है बीएचए केमिकल पील फेस मास्क

बीएचए का मतलब बीटा हाइड्रॉक्सी एसिड है, जिससे युक्त केमिकल पील फेस मास्क त्वचा में सैलिसिलिक एसिड का उत्पादन बढ़ाकर अतिरिक्त तेल को सोखने में मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए पहले एक कटोरी में एक चम्मच बेकिंग सोडा को पानी में मिलाएं, फिर एक अलग कटोरी में नींबू के रस से भिगी एस्पिरिन की 12 गोलियां पीसकर मिलाएं। अब इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 20 मिनट तक रूकें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

मुंहासों के निशान से राहत दिलाने वाला सेब के सिरके का पील फेस मास्क

सेब का सिरका कई ऐसे गुणों से समृद्ध होता है, जो डेड स्किन सेल्स को हटाकर मुंहासे के निशान को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका केमिकल पील फेस मास्क बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक चम्मच शुद्ध सेब के सिरके को एक छोटी चम्मच एप्पल सॉस के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। संवेदनशील त्वचा वाले लगाएं खीरे और ग्रीन टी का पील फेस मास्कः विटामिन–सी युक्त खीरा और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण से समृद्ध ग्रीन टी संवेदनशील त्वचा को निखारने में काफी मदद कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक पैन में एक कप कैमोमाइल टी और ग्रीन टी को 100 मि.ली. पानी में डुबोएं, फिर इसमें बिना स्वाद वाला जिलेटिन मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक खीरे का रस मिलाकर गैस बंद करें और जब मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे चेहरे पर लगाएं, फिर इसके सूखने के बाद इसे चेहरे से उतारें।

इमरान और बी प्राक के साथ काम करना सपना सच होने जैसाः सहर बाम्बा

इमरान हाशमी पर फिल्माए गए गानें अक्सर दर्शकों की कसौटी पर खरे उतरते हैं। अब फिर इमरान अपना नया म्यूजिक वीडियो दर्शकों के बीच ला रहे हैं। गाने को लेकर दर्शक इसलिए

भी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके सिंगर तेरी मिट्टी और फिलहाल जैसे सुपरहिट गाने गा चुके बी प्राक हैं। अब इसमें इमरान की जोड़ीदार भी उन्हें मिल गई है। उनके साथ म्यूजिक वीडियो में अभिनेत्री सहर बाम्बा नजर आएंगी।

इमरान अपने नए म्यूजिक वीडियो में सहर बाम्बा के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे। दोनों ने पहली बार एक–दूसरे से हाथ मिलाए हैं। इमरान को उम्मीद है कि सहर के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आएगी। सहर ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, इमरान और बी प्राक के साथ काम करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा था। आपको बता नहीं सकती कि मैं इस गाने को लेकर कितनी उत्साहित हूं।

सहर ने आगे कहा, मैं सातवें आसमान पर थी, जब मुझे इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव मिला था। मैं बी प्राक के म्यूजिक की बहुत बड़ी फैन रही हूं। मैं नॉनस्टॉप उनके गाने सुना करती थी। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला कि बी प्राक के म्यूजिक वीडियो के लिए मुझसे संपर्क किया गया है और इसमें मेरी जोड़ी इमरान हाशमी के साथ बन रही है, मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। दोनों के साथ काम करना एक मजेदार अनुभव रहा। बात करें सहर बाम्बा की तो वह एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत सनी देओल के बेटे करण देओल के साथ की थी। दोनों ने 2019 में फिल्म पल पल दिल के पास से बॉलीवुड में आगाज किया था। इमरान ने एक इंटरव्यू में कहा था, करीब तीन साल पहले जब मैं अपनी कार में सफर कर रहा था, तब मैंने बी प्राक का गाना मन भरेया सुना था। मुझे इस गाने से प्यार हो गया था। जब मुझे उनके नए गाने के बारे में बताया गया तो मैंने तुरंत हां कह दिया। बी प्राक ने कहा, मैं हमेशा से ही इमरान के साथ गाना करना चाहता था, क्योंकि वह एक हिट मशीन और रोमांटिक म्यूजिक के किंग हैं। इससे पहले इमरान को सिंगर जुबिन नौटियाल के म्यूजिक वीडियो लुट गए में देखा गया था, जो सुपर–डुपरहिट हुआ था। इमरान ने ट्विटर पर लिखा था, लुट गए 2021 में यूट्यूब इंडिया पर नंबर वन देखा जाने वाला म्यूजिक वीडियो बन गया है। 1 अरब से भी अधिक लोगों ने इसे देखा है। यह गाना 17 फरवरी, 2021 को टी–सीरीज के यूट्यूब चौनल पर रिलीज किया गया था। इसमें इमरान अभिनेत्री युक्ति थरेजा के साथ नजर आए थे।

राजकुमार और आदर्श अभिनीत नेटफ्लिक्स सीरीज से ओटीटी डेब्यू करेंगे दुलकर सलमान

इस साल बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाले हैं। अब इस कड़ी में दक्षिण भारतीय सिनेमा के एक बड़े कलाकार का नाम जुड़ गया है। खबरों की मानें तो मलयालम सुपरस्टार दुलकर सलमान बहुत जल्द अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। दिलचस्प बात यह है कि वह राजकुमार राव और आदर्श गौरव के अभिनय से सजी नेटफ्लिक्स की सीरीज से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना कदम रखेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुलकर नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज से ओटीटी पर अपना डेब्यू करेंगे। इस सीरीज को द फैमिली मैन के निर्माता राज निदिमोरु और कृष्णा डीके बनाएंगे। एक सूत्र ने कहा, दुलकर को पिछले दो वर्षों में कई वेब फिल्में और शो ऑफर की गई हैं, लेकिन उन्होंने इन प्रस्तावों का खारिज कर दिया था। वह इन प्रोजेक्ट्स के विषय से संतुष्ट नहीं थे। वह अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए खास प्रोजेक्ट की तलाश में थे।

सूत्र ने बताया की दुलकर को जिस तरह के प्रोजेक्ट की तलाश थी, वो अब राज और डीके की सीरीज के साथ पूरी हो गई है। इस सीरीज को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। यह कॉमेडी थ्रिलर सीरीज तीन प्रमुख पात्रों के इर्दगिर्द घूमती है। दुलकर इस सीरीज में राजकुमार और आदर्श के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आदर्श को द व्हाइट टाइगर से अपार लोकप्रियता मिली थी, जबकि राजकुमार मंझे हुए अभिनेता हैं।

इस सीरीज के लिए पहले दिलजीत दोसांझ के नाम की चर्चा चली थी। दुलकर ने इस प्रोजेक्ट में दिलजीत को रिप्लेस किया है। दिलजीत इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने वाले थे, लेकिन डेट्स के इश्यू के कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को बाहर कर लिया। इस शो की शूटिंग पहले ही देहरादून में शुरू हो चुकी है। एक ही शेड्यूल में लगातार इसकी शूटिंग की जाएगा। मार्च के अंत में सीरीज की शूटिंग समाप्त होगी।

दुलकर अभी कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। इस संक्रमण से उबरने के बाद वह सीरीज की शूटिंग शुरू करेंगे। वह बॉलीवुड फिल्म कारवां व जोया फैक्टर का भी हिस्सा रह चुके हैं और हिन्दी पट्टी के ज्यादातर दर्शक उन्हें इन्हीं फिल्मों से जानते हैं। दुलकर जल्द ही निर्देशक आर बाल्की की फिल्म चुप में सनी देओल के साथ नजर आएंगे। उन्हें मलयालम फिल्म सैल्यूट में भी देखा जाएगा। राज और डीके की यह सीरीज दुलकर का चौथा हिन्दी प्रोजेक्ट होगा।

निर्देशक हंसल मेहता की स्वागत है राजकुमार के खाते से जुड़ी है। वह सेकंड इनिंग में भी नजर आएंगे। बधाई दो में भी वह दिखेंगे। स्त्री 2 में वह अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। वह अनुभव सिन्हा की फिल्म भीड़ में भी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। फरहान अख्तर की फिल्म खो गए हम कहां को लेकर आदर्श चर्चा में हैं। जलवायु परिवर्तन पर आधारित इंटरनेशनल सीरीज एक्सट्रपलेशन्स में भी वह दिखाई देंगे।

प्रशांत नील की इस एक्शन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी श्रुति हासन

प्रभास अभिनीत सालार के निर्माताओं ने फिल्म की नायिका श्रुति हासन को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने के लिए एक विशेष जन्मदिन का पोस्टर जारी किया है। जैसा कि गब्बर सिंह की अभिनेत्री ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन मनाया, उनकी आगामी फिल्म– सालार के नायक प्रभास ने एक तस्वीर जारी करने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया। पोस्टर शेयर करते हुए प्रभास ने लिखा, मेरी मनोरंजक नायिका, सेट पर एनर्जी बॉल श्रुति हासन को जन्मदिन की बहुत–बहुत शुभकामनाएं! सालार।

श्रुति हासन प्रशांत नील के निर्देशन में बनने वाली आगामी फिल्म सालार में आद्या नाम की भूमिका निभा रही हैं। हालांकि मेकर्स ने पोस्टर में ज्यादा खुलासा नहीं किया है, श्रुति हासन एक साधारण लंबी बाजू की पोशाक में नजर आ रही हैं और वह आसमान की ओर देख रही हैं।

सालार प्रभास की विशेषता के लिए उच्च बजट वाली आने वाली फिल्मों में से एक है।

जैसे फिल्म केजीएफ ने उन्हें इतनी प्रसिद्धि दिलाई, वैसे ही प्रशांत नील सालार से उम्मीदें लगा रहे हैं ताकि अपना अच्छा काम जारी रख सकें।

हालांकि यह बताया गया है कि शूटिंग के कुछ शेड्यूल को खत्म कर लिया गया है, आने वाले शेड्यूल निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण होंगे। चंदन का प्रोडक्शन बैनर केजीएफ फेम होम्बले फिल्म्स सालार को नियंत्रित कर रहा है।

पैरों से नहीं जा रही खुजली तो आजमाए ये घरेलू उपाय

सर्दियों का मौसम आते–आते हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं आने लगती है। इनमे से एक पैरों के निचले हिस्से में खुजली होना भी शामिल है। जी दरअसल यह समस्या एक बार हो जाए तो पीछा नहीं छोड़ती और इस समस्या के चलते बहुत परेशानी होती है। अगर हम इसके कारणों के बारे में बात करें तो इसके कारण अलग–अलग हो सकते है। हालाँकि सबसे ज्यादा जरूरी है कि इस प्रॉब्लम को रोका कैसे जाए क्योंकि अगर ये शुरू हो जाती है तो, रुकती नहीं। अब इसके लिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ घरेलू नुस्खे जो आपके काम आएँगे और आपको लाभ पहुंचाएंगे। आइए जानते हैं इन नुस्खों के बारे में।

नारियल का तेल– नारियल का तेल बहुत बेहतरीन है। जी हाँ और यह स्किन के लिहाज से न्यूट्रिएंट्स से भरा होता हैं। यह बड़ा फायदेमंद हैं और इसके लिए आप हर रोज एक चम्मच नारियल के तेल से पैरों के निचले हिस्से में तब तक मालिश करें, जब तक तेल पूरी तरह से सूख न जाएं।

एलोवेरा जेल– यह स्किन के लिए बेस्ट केयर टेकर है। जी हाँ और इसके लिए आप जेल को उस जगह पर लगाएं जहां पर खुजली की प्रॉब्लम है। करीब आधे घंटे के बाद इसे पानी से धो दें। अगर आप अच्छा रिजल्ट पाना चाहते हैं तो इसके लिए इसे पैरों के निचले हिस्से में कम से कम दो बार लगाएं।

नींबू– यह कई बीमारियों को ठीक करने का खजाना है। वैसे इसका इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस को खुजली वाली जगह पर लगाने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह खुजली में आराम दिलाने का काम करता है।

नमक– नमक में कई न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो पैरों की खुजली को कम करते हैं। जी दरअसल यह पैरों के फंगस को भी खत्म करने में मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एक टब में गुनगुना पानी डाले और उसमें नमक मिलाएं। उसके बाद टब में पैरों को डालकर 15–20 मिनट तक बैठ जाएं फिर साफ तैलिए से पोछ लें। अंत में पैरों में मॉइश्चराइजर लगा लें।